Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 25 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 04 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

**सुविचार**

अपरिग्रह वृत्ति ही हमारी सबसे बड़ी सम्पत्ति है।

Abstinece from infatuation is our greatest wealth of the soul.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

## संक्षिप्त समाचार

### बिहार में 10 दिन के भीतर पांचवां पुल धराशायी

**सीवान (आरएनएस)।** बिहार के सीवान में गंडकी नदी (गंडक नहर) पर बना पुल का एक पिलर नदी में धंस गया, जिससे पुल का एक छोर नदी में ढह गया। यह पुल दारौंदा प्रखंड अंतर्गत देवरिया और भीखा बांध गांव की सीमा पर स्थित है। पुल के जर्जर होने को लेकर आसपास के गांव के लोगों ने बीते 22 जून को विरोध प्रदर्शन भी किया था, जिसके बाद अधिकारियों ने इसकी मरम्मत भी करायी थी। बावजूद इसके बुधवार सुबह करीब 5 बजे पुल का एक पिलर नदी में धंस गया। बता दें कि बिहार में 10 दिन के भीतर पांचवां पुल धराशायी हुआ है।

### कंगना रनौत को थप्पड़ जड़ने वाली कुलविंदर कौर बहाल, चंडीगढ़ से हुआ तबादला

**सीवान (आरएनएस)।** चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ कांस्टेबल कुलविंदर कौर को वापस बहाल कर दिया गया है। उनका चंडीगढ़ से बेंगलुरु तबादला कर दिया गया है। साथ ही, उन्हें तुरंत ड्यूटी ज्वाइन करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसके बाद कुलविंदर को नौकरी से सस्पेंड कर दिया गया था। बता दें, थप्पड़ कांड के बाद कई किसान संगठनों ने कुलविंदर का समर्थन किया था। इसके अलावा, उनके पूरे परिवार व गांव वाले भी कुलविंदर के समर्थन में आ गए थे और उनके नौकरी से सस्पेंड किए जाने का विरोध जताया था। पुलिस ने कुलविंदर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की थी।

## पुलिस परिवार के बच्चों को स्कूल आने जाने के लिए मिली बस की सुविधा

**मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस को दिखाई हरी झंडी**

- मुख्यमंत्री ने पुलिस परिवार की बच्ची मारिया भतपहरी को सौंपी बस की चाबी
- पुलिस कॉलोनी आवासीय समिति के सदस्यों और बच्चों ने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री का जताया आभार
- सीएसआर मद से उपलब्ध कराई गई है बस की सुविधा

**रायपुर (विश्व परिवार)।** ये आपके पापा के बॉस है और इन्हीं के प्रयासों से आप सभी को स्कूल बस मिला है। आप सभी अब आराम से और सुरक्षित ढंग से स्कूल आ जा सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पुलिस परिवार के स्कूली बच्चों से चर्चा के दौरान गृहमंत्री का परिचय कराते हुए ये बातें कहीं। सभी बच्चों ने बस मिलने की खुशी में ताली बजाकर मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को थैंक यू कहा। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि आप सभी अच्छे से पढ़ाई करें और खूब तरक्की करें।

दरअसल आज राजधानी रायपुर के अमलीडीह स्थित पुलिस कॉलोनी में रहने वाले पुलिस परिवार के बच्चों को उनकी स्कूल बस मिल गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस परिवार की नन्हीं छात्रा मारिया भतपहरी को बस की चाबी सौंपी। उन्होंने पुलिस परिवार के सदस्यों के साथ विधिवत पूजा अर्चना कर बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह बड़ी अच्छी पहल है। बच्चों की परेशानी दूर हुई है और अब बच्चे सुरक्षित स्कूल आ जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिस के जवान बड़ी मुस्तैदी के साथ 24 घंटे सातों दिन अपनी सेवाएं देते हैं। इस पहल से निश्चित रूप से उनकी चिंता दूर हुई होगी। यह बस सीएसआर मद से बच्चों के लिए उपलब्ध करायी गई है। मैं अन्य औद्योगिक संस्थानों से भी आग्रह करूंगा कि वे अपने सीएसआर मद से ऐसे कार्यों में सहयोग करें और इसे बढ़ावा दें।

इसके बाद मुख्यमंत्री और गृहमंत्री ने पुलिस परिवार के बच्चों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने बस के संचालन सहित पुलिस आवासीय कॉलोनी की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। पुलिस परिवार के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द आप लोगों से मिलने और चाय के साथ ठेठरी- खुरमी भी खाने आऊंगा।

गौरतलब है कि पुलिस कॉलोनी आवासीय समिति अमलीडीह, रायपुर द्वारा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर स्कूली बच्चों के लिए बस उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया था। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आग्रह को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गृहमंत्री ने तत्काल अंबुजा सीमेंट के प्रतिनिधि को सीएसआर मद से बस उपलब्ध कराने को कहा। इसी कड़ी में आज पुलिस परिवार के बच्चों के लिए 52 सीटर एसी बस उपलब्ध कराई गई है। जिसे मुख्यमंत्री और गृह मंत्री ने आज हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल से पुलिस परिवार के लगभग 150 से अधिक बच्चें सुरक्षित स्कूल आ जा सकेंगे।

## विपक्ष के एक तिहाई सरकार वाले बयान पर प्रधानमंत्री मोदी का तंज, कहा- 10 साल हुए हैं, 20 और बाकी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में देशवासियों के लिए प्रेरणा भी थी, प्रोत्साहन भी था और एक प्रकार से सत्य मार्ग को पुरस्कृत भी किया गया था। पिछले दो-ढाई दिनों में इस चर्चा में करीब 70 माननीय सांसदों ने अपने विचार रखे। इस चर्चा को समृद्ध बनाने के लिए राष्ट्रपति के अभिभाषण को व्याख्यायित करने में आप सभी माननीय सांसदों ने जो योगदान दिया है, इसके लिए मैं आप सबका भी आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास और संसदीय लोकतंत्रिक यात्रा में कई दशकों के बाद देश की जनता ने एक सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया है। 10 साल के बाद किसी एक सरकार की लगातार फिर से वापसी हुई है और मैं जानता हूं कि भारत के लोकतंत्र में 6 दशक बाद हुई ये घटना असामान्य घटना है। कुछ लोग जानबूझकर इससे अपना मुंह फेर कर बैठे रहे, कुछ लोगों को समझ नहीं आया और जिनको समझ आया उन्होंने हो-हल्ला कर देश की जनता के इस महत्वपूर्ण निर्णय पर छाया डालने की कोशिश की। लेकिन, मैं पिछले दो दिन से देख रहा हूं कि आखिर पराजय भी स्वीकार हो रही है और दबे मन से विजय भी स्वीकार हो रही है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं कांग्रेस के कुछ साथियों को दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं। नतीजे आए तब से हमारे एक साथी की ओर से (हालांकि उनकी पार्टी उनका समर्थन नहीं कर रही थी) बार-बार ढोल पीटा गया था कि ये एक तिहाई सरकार है। इससे बड़ा सत्य क्या हो सकता है कि हमारे 10 साल हुए हैं, 20 और बाकी हैं। एक तिहाई हुआ है, दो तिहाई और बाकी है और इसलिए उनकी इस भविष्यवाणी के लिए उनके मुंह में घी शक्कर।

पीएम मोदी ने कहा कि मेरे जैसे अनेक लोग हैं, जिनको बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के कारण यहां तक आने का अवसर मिला है। जनता-जनार्दन ने मुहर लगाई और तीसरी बार भी आने का अवसर मिला। जब लोकसभा में हमारी सरकार की तरफ से कहा गया कि हम 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाएंगे तो मैं हैरान हूं कि जो आज संविधान की प्रति लेकर घूमते रहते हैं, दुनिया में लहराते रहते हैं, उन्होंने विरोध किया था कि 26 जनवरी तो है, फिर संविधान दिवस क्यों लाएं?

## दर्दनाक घटनाओं में भी राजनीति ढूंढते हैं विपक्षी : सीएम योगी

**हाथरस (आरएनएस)।** उत्तर प्रदेश के हाथरस की घटना पर विपक्षी नेताओं की बयानबाजी को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कुछ लोगों की यह प्रवृत्ति होती है कि इस प्रकार की दुखद और दर्दनाक घटनाओं में भी वो राजनीति ढूढ़ते हैं। ऐसे लोगों की फितरत है, चोरी भी और सीनाजोरी भी।

उन्होंने कहा कि यह हर व्यक्ति जानता है कि कथावाचक सज्जन के फोटो किसके साथ हैं। उनके राजनीतिक संबंध किसके साथ जुड़े हुए हैं। आपने देखा होगा कि पिछले दिनों रैलियों के दौरान इस तरह की भगदड़ कहां मचती थी और कौन उसके पीछे थे। मुझे लगता है कि इन सबकी तह में जाना आवश्यक है। जो लोग निर्दोष लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हैं, उनकी जवाबदेही भी तय होगी।

उन्होंने कहा कि जो निर्दोष लोग हादसे के शिकार हुए हैं, उनके नाबालिग बच्चों को हम लोग उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत पढ़ाई की व्यवस्था कराएंगे। वो जिस भी स्कूल या संस्था में पढ़ रहे होंगे, राज्य सरकार व्यवस्था करेगी। हादसे में मृतकों के परिजनों को केंद्र और राज्य की ओर से कुल 4 लाख रुपए और घायलों को कुल एक लाख रुपए की सहायता प्रदान कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रशासन प्रथमदृष्टया ये मानकर चलता है कि धार्मिक आयोजन है और उनके सेवादार इस प्रकार के आयोजनों की अंदर से जिम्मेदारी स्वयं निभाएंगे। बड़े-बड़े आयोजन होते हैं और सावधानीवश वहां फोर्स को तैनात किया जाता है, लेकिन फोर्स आउटर रिंग में होती है। यदि आप अंदर देखेंगे, तो उनके स्वयंसेवक या सेवादार ही व्यवस्था का संचालन करते हैं। इस तरह के आयोजनों में धार्मिक और आध्यात्मिक श्रद्धाभाव से लोग आते हैं, तो वहां भीड़ अनुशासित ही रहती है। लेकिन, जब वही कार्यक्रम निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों का खिलौना बन जाता है, तो अनुशासनहीनता का नजारा देखने को मिलता है।

## सेजबहार में सरकारी जमीन से हटाया बेजा कब्जा, पक्के निर्माण और तार फेंसिग घेरा भी तोड़ा

### जनदर्शन में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से की थी शिकायत

**रायपुर (विश्व परिवार)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश के बाद रायपुर जिले में शासकीय जमीनों पर अवैध कब्जा कर अवैध निर्माण करने और उनकी अवैध तरीके से खरीदी-बिक्री पर कार्रवाई तेज हो गई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में राजस्व अमले ने ऐसे प्रकरणों पर बिना देरी के कार्रवाई शुरू की है। आज रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सेजबहार में ऐसी एक बड़ी कार्रवाई की गई है। राजस्व अमले ने सेजबहार में मुख्य सड़क के किनारे से लगी लगभग पांच एकड़ सरकारी जमीन को अवैध निर्माण और कब्जे से मुक्त कराया है। इस जमीन पर माना के बनरसी गांव निवासी संतोष डहरिया द्वारा अवैध कब्जा कर अवैध रूप से पक्का निर्माण करने और जमीन की अवैध खरीदी-बिक्री करने की शिकायत स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में की थी। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत को श्री साय ने गंभीरता से लिया और इसकी जांच कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर रायपुर को दिए थे।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रकरण की जांच का जिम्मा रायपुर एसडीएम और उनके अमले को सौंपा था। राजस्व अमले द्वारा की गई जांच के बाद सेजबहार में मुख्य सड़क से लगी लगभग पांच एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा होना पाया गया। इस जमीन पर अवैध कब्जाधारी ने पक्के निर्माण जैसे दुकान आदि भी बना लिए थे। राजस्व अमले को जमीन के अवैध रूप से दूसरे लोगों को बेचने की भी शिकायत मिली थी।

## राहुल गांधी पर मंडराया हमले का खतरा, हाई अलर्ट पर पुलिस

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** संसद में पिछले दिनों हिंदुओं को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। देश में कई जगह राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन भी किए गए है। वहीं अब राहुल गांधी के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी पर हमले का खतरा बताया गया है।

दिल्ली पुलिस को खुफिया विभाग से इनपुट मिला हैं कि हिंदू संगठनों से जुड़े लोग कांग्रेस नेता पर हमला कर सकते हैं। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने गृहमंत्रालय के आदेश के बाद राहुल गांधी व उनके आवास की सुरक्षा बढ़ा दी है। आवास पर अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। साथ ही इलाके में रहने वाले कांग्रेस नेताओं पर नजर रखी जा रही है। नई दिल्ली में खुफिया तंत्र को अलर्ट कर दिया गया है।

बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को हिंदुओं को लेकर बयान दिया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस को देर रात इनपुट मिले कि हिंदू संगठनों से नेता राहुल गांधी पर हमला कर सकते हैं। इन संगठनों के लोग नई दिल्ली इलाके में पोस्टर व बैनर आदि लगा सकते हैं। राहुल गांधी के आवास पर दो प्लाटून फोर्स तैनात की गई है। एक प्लाटून में 16 से 18 पुलिसकर्मी होते हैं। इसके अलावा तुगलक रोड थाने से आठ से 20 अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। नई दिल्ली जिले के बार्डर सील कर दिए हैं। चेकिंग के बाद ही लोगों को नई दिल्ली में प्रवेश करने दिया जा रहा है। नई दिल्ली इलाके में पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है।

## चंपई सोरेन ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा, 7 जुलाई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे हेमंत सोरेन

**रांची (आरएनएस)।** हेमंत सोरेन एक बार फिर झारखंड के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। वह 7 जुलाई को सीएम पद की शपथ लेंगे। उन्होंने चंपई सोरेन के इस्तीफा सौंपने के बाद नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। उन्होंने राज्यपाल को विधायकों का समर्थन पत्र भी सौंपा है। वहीं, इससे पहले राजधानी रांची में बुधवार को हुई आईएनडीआईए के विधायक दल की बैठक में हेमंत सोरेन को विधायकों की आम सहमति से विधायक दल का नेता चुन लिया गया है।

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन आज शाम में ही पडुच्चेरी यात्रा से रांची पहुंचे हैं। चंपई सोरेन के इस्तीफे के बाद हेमंत सोरेन सरकार बनाने के लिए दावा पेश करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में ही कई मंत्री भी शपथ लेंगे। राजद विधायक सत्यानंद भोक्ता ने दावा किया कि वह भी मंत्रीपद की शपथ लेंगे।

**पांच महीने से जेल में थे हेमंत सोरेन :** बता दें ईडी ने कई नोटिस जारी करने के बाद हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, जेल जाने से पहले हेमंत सोरेन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हेमंत के इस्तीफे के बाद चंपई सोरेन को आईएनडीआईए का नेता चुना गया और उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

हेमंत सोरेन को पांच महीनों के बाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। हेमंत के जेल से बाहर आने के बाद से उनके दोबारा मुख्यमंत्री बनने की अटकलें जोरों पर थी। झारखंड विधानसभा के लिए 2024 में ही चुनाव होने हैं। ऐसे में हेमंत सोरेन सत्ता अपने हाथों में चाहते थे, ताकि सभी चीजों को अपने तरीके से हैंडल कर सकें।

## राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों का तबादला

**रायपुर (आरएनएस)।** राज्य शासन द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया गया है। बुधवार शाम सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार सैलाभ कुमार साहू अपर कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को उप सचिव मंत्रालय, सुश्री लवीना पांडेय अपर कलेक्टर जांजगीर चांपा को उपसचिव मंत्रालय, यामिनी पांडेय गुप्ता रजिस्ट्रार भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण रायपुर को संयुक्त संचालक खेल युवा कल्याण संचालनालय, उमाशंकर अग्रवाल सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय को अपर आयुक्त नगर निगम रायपुर, पदुमलाल यादव उपसंचालक प्रशासन अकादमी निमोरा रायपुर को उपायुक्त (राजस्व) संभागीय आयुक्त कार्यालय दुर्ग, उमेश कुमार पटेल संयुक्त कलेक्टर राजनांदगांव को अवर सचिव मंत्रालय अरूण कुमार वर्मा संयुक्त कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर को रजिस्ट्रार भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण रायपुर, सुनील कुमार शर्मा संयुक्त कलेक्टर बस्तर को कुल सचिव कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता जनसंचार विवि रायपुर, सुश्री सुमन राज संयुक्त कलेक्टर रायपुर को संयुक्त कलेक्टर खैरागढ़ छुईखदान गंडई प्रदीप कुमार बैद्य संयुक्त कलेक्टर सूरजपुर को संयुक्त कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर, कैलाश प्रसाद वर्मा संयुक्त कलेक्टर बीजापुर को प्रबंधक नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण नवा रायपुर, शीतल बंसल संयुक्त कलेक्टर बालोद को संयुक्त कलेक्टर राजनांदगांव, बहादूर सिंह मरकाम डिप्टी कलेक्टर मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर को डिप्टी कलेक्टर धमतरी, हितेश पिस्दा डिप्टी कलेक्टर गरियाबंद को डिप्टी कलेक्टर दुर्ग, तरूणा साहू डिप्टी कलेक्टर बालोद को अवर सचिव मंत्रालय, सुश्री रानु मैथ्युज प्रबंधक नवारायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण नवा रायपुर को डिप्टी कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर, रश्मि वर्मा सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय को उपसंचालक छग प्रशासन अकादमी निमोरा रायपुर, अरविंद शर्मा सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय को उपायुक्त भू अभिलेख नवा रायपुर अटल नगर तथा महेश शर्मा डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ को डिप्टी कलेक्टर बिलासपुर बनाया गया है।

## हाथरस हादसे पर पहली बार आया भोले बाबा का बयान, 121 लोगों की मौतों पर दी ये सफाई

**हाथरस (आरएनएस)।** उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई दर्दनाक हादसे पर पहली बार नारायण हरि बाबा का बयान सामने आया है। स्वयंभू बाबा ने इस हादसे पर दुख जताया है और मृतकों के प्रति संवेदना जताई है। बयान में उनकी तरफ से कहा गया कि मैं पहले ही वहां से (सत्संग स्थल से) चला गया था। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह को हायर किया है। बता दें कि ए.पी.सिंह सीमा हैदर और सचिन के भी वकील हैं। नारायण सकार हरि के नाम से यह लेटर जारी किया गया है। लेटर में कहा गया कि इस हादसे में जान गवांने वाले के परिवारों के प्रति उनकी संवेदना है। साथ ही घायलों की जल्द ठीक होने की कामना भी की। आगे लिखा कि मैं/हमने सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट ए.पी.सिंह को सत्संग के खत्म होने के बाद कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा भगदड़ माहौल पैदा करने पर कानूनी कार्रवाई के लिए हायर किया है। मैं सिकंदराराऊ के गांव फुलारी से 2 जुलाई को बहुत पहले रवाना हो गया था।

**भगदड़ हादसे में 121 लोगों की गई जान :** हाथरस जिले के सिकंदराराऊ के गांव फुलारी में मंगलवार को हुए भगदड़ में अबतक 121 लोगों की मौत की खबर सामने आ चुकी है, जबकि अभी अन्य कई लोग घायल हैं जिसमें से कुछ की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। इसके साथ आपकों ये भी बता दे कि सत्संग स्थल पर 'रंगोली' बनाई गई थी, जिस पर से बाबा चलकर निकलना था।

## स्कूल जतन योजना : मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर अमल, आकर्षक बनते गांवों के स्कूल

### महासमुंद, कांकेर, सरगुजा और राजनांदगांव जिले में एक हजार 991 स्कूलों का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण

**रायपुर (विश्व परिवार)।** शहरों के साथ-साथ गांवों के भी स्कूल अब आकर्षक बनते जा रहे हैं। नए शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ नौनिहालों को बेहतर शैक्षणिक परिवेश दिलाने स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है। महासमुंद, कांकेर, सरगुजा और राजनांदगांव जिले में एक हजार 991 स्कूलों का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने हाल ही में शिक्षा विभाग के समीक्षा बैठक के दौरान सभी कलेक्टरों को अपने जिलों में स्कूलों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के कार्य जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश के बाद सभी जिलों में स्कूलों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के कार्य में तेजी आई है। स्कूलों को आकर्षक ढंग से भी सजाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत किए जा रहे जीर्णोद्धार में प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में पक्की छत, कक्षाओं में टाईल्स और शाला परिसर में पेवर ब्लॉक के साथ रंगरोगन का कार्य किए जा रहे है। इन स्कूलों में ज्ञानवर्धक और कलात्मक चित्रकारी भी की जा रही है। स्कूलों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्ष आदि बनाए जा रहे हैं।

नए शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के साथ ही स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव भी मनाएं जा रहें हैं। शालाओं में मरम्मत और जीर्णोद्धार होने से छात्रों एवं पालकों का रूझान भी इन विद्यालयों के प्रति बढ़ा है। विद्यालयों का कायाकल्प करने व आकर्षक बनाने की वजह से पालक अपने बच्चों को इन स्कूलों में दाखिला करा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत महासमुंद जिले में स्कूलों में जीर्णोद्धार के 333, सरगुजा में 1104, राजनांदगांव में 280, कांकेर में 374 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

## चिटफंड घोटाले में ईडी का एक्शन, सहारा के दफ्तर पर छापेमारी; कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त

**लखनऊ (आरएनएस)।** लखनऊ में सहारा इंडिया के ठिकाने पर ईडी की छापेमारी हो रही है। ईडी की कोलकाता यूनिट की ओर से छापेमारी की जा रही है। इस छापेमारी में ईडी लखनऊ यूनिट के कई अफसर भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला कोलकाता की चिटफंड कंपनी में कथित तौर पर हुए घोटाले से जुड़ा है। लखनऊ के कपूरथला स्थित सहारा के हेड ऑफिस में छापेमारी की जा रही है। इस दौरान ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों के मोबाईल फोन को ईडी के अधिकारियों ने जब्त कर लिए हैं। कहा जा रहा है कि ईडी की टीम ने ऑफिस को सील कर दिया है और किसी को भी ऑफिस में आने या ऑफिस से बाहर जाने नहीं दिया जा रहा है। ईडी के अधिकारी ऑफिस में दस्तावेजों को खंगालने में जुट गए हैं।

दैनिक
# विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, गुरुवार 04 जुलाई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com


## तुरमा में डायरिया के मिले 82 मरीज, खबर मिलते ही गांव पहुंचे कलेक्टर

### लापरवाही बरतने के चलते पटवारी, पीएचई सब इंजीनियर को नोटिस एवं सचिव को किया गया निलंबित



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत तुरमा में डायरिया के 82 मरीज मिले है। डायरिया के बढ़ते मामले को देखते हुए आज कलेक्टर दीपक सोनी ने तुरमा पहुंचकर गांव के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। साथ ही मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य शिविर का भी जायजा लिया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 1 जुलाई को 76 मरीज एवं 2 जुलाई 41 मरीजों का चिन्हांकन किया गया। जिसमें से वर्तमान में 82 एक्टिव मरीज है। उक्त मरीजों में 17 को जिला अस्पताल एवं 16 को सामुदायिक केन्द्र लवन में भर्ती किया गया है। जबकि अन्य मरीज गांव के हाट बाजार क्लीनिक भवन में स्वास्थ्य शिविर में इलाज करा रहे हैं। ग्रामीणों का प्राथमिक इलाज करने के बाद उन्हें वापस घर भेज दिया गया है।

इस पूरे मामले में कलेक्टर दीपक सोनी ने गंभीर नाराजगी जताते हुए ग्राम पटवारी तुलसीराम बर्मन, पीएचई सब इंजीनियर के.आर.पैकरा को नोटिस जारी किया गया है। साथ ही ग्राम के सचिव राजपाल कोसले के अनुपस्थित रहने के चलते उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विकासखंड चिकित्सा अधिकारी के प्रति भी नाराजगी जताते हुए उनके छुट्टी को निरस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है।

तुरमा में जानकारी मिलने के बाद कलेक्टर ने सबसे पहले हाट बाजार क्लीनिक में संचालित स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे। भर्ती मरीजों और स्वास्थ्य कर्मचारियों से बातचीत कर उचित दिशा-निर्देश दिया गया। इसके साथ ही कलेक्टर ने मरीजों एवं उनके परिजनों से भी मुलाकात की। स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ को स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में जागरुकता के लिए काम करने को कहा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिनों को डोर टू डोर जाकर जानकारी लेने के निर्देश दिए गए है। इस दौरान कलेक्टर स्वयं गांव के पानी टंकी पर चढ़कर सफाई संबंधित जायजा लिया। कलेक्टर श्री सोनी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को पानी की गुणवत्ता की जांच रिपोर्ट जल्द देने एवं स्वच्छ पानी आमजनों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने गांव में डायरिया के एकाएक अधिक संख्या में मरीज मिलने के कारण को जांच कराने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए है।

## दूसरे दिन मिले 965 आवेदन, मौके पर 929 आवेदनों का किया गया तत्काल निराकरण

**बलौदाबाजार (विश्व परिवार)।** राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर में दूसरे दिन कुल 965 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 929 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। साथ ही बचे हुए 36 आवेदनों को समय-सीमा में दर्ज किया गया। आज प्राप्त आवेदनों में तहसील बलौदाबाजार से 122, लवन 384, पलारी 119, भाटापारा 79, सिमगा 27, सुहेला 22, कसडोल 63, टुण्डरा 62 एवं सोनाखान 87 आवेदन शामिल है। जिसमें से तहसील बलौदाबाजार के 119, लवन-373, पलारी-111, भाटापारा-76, सिमगा-25, सुहेला-19, कसडोल-57, टुण्डरा 62 एवं सोनाखान 87 आवेदनों का निराकरण किया गया है। जिसमें 45 ग्रामों में बी-1 पाठन, अविवादित नामांतरण-31, अविवादित बंटवारा-8, सीमांकन-1, अभिलेख त्रुटि सुधार-3, आर.बी.सी.6-4 के 2, फौती नामांतरण-21, बंटवारा-2, आय, जाति, निवास-831 एवं अन्य-62 आवेदन शामिल है। इसके साथ ही 29 किसानों को मौके पर किसान किताब भी प्रदान किया गया। उक्त शिविर में राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित पटवारी, कोटवार, सरपंच सचिव भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिले से डिप्टी कलेक्टर बी.के. ध्रुव एवं एसडीएम अमित गुप्ता के द्वारा परसाडीह में आयोजित शिविर का आकस्मिक निरीक्षण भी किया गया। आज 3 जुलाई को ग्राम पंचायत रसेड़ा, चंगोरी, देवसुन्द्रा, दतरेंगी, संजारी नवागांव, फरहदा, गिरौद एवं बार में विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा।


### कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

**आम-सूचना**

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर फेज-III कॉलोनी,** रायपुर में निर्मित **EWS** भवन योजना के अतंर्गत दुकानों/ भूखण्डों/ भवनों में से भूखण्ड/ भवन क्रमांक **EWS-210 श्रीमति अर्चना पाण्डेय पिता/पति श्री संजीव पाण्डेय** को भाड़ाक्रय/ पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक ....... को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक **01/07/2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती मंटू पति, पति श्री समित पति** के नाम से विक्रय करने के लिए **विक्रय अनुमति** की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के **15 दिन** के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

**सम्पदा अधिकारी,**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01**
**कबीर नगर, रायपुर**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 223 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- शहीद भगत सिंह वार्ड**
**वार्ड क्र. 24 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **24** मांग **पंजी क्र. 361 युआईडी 24461** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **नेतराम साहू/ पुनऊ राम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रेखा साहू/ धनेश्वर साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **03-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 227 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड**
**वार्ड क्र. 26 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **26** मांग **पंजी क्र. 136 युआईडी 25092** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बिन्दा नाग/ कन्हैया नाग** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सुनीता मारखंडे/ दुखहरण** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **03-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 225 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- सुन्दर लाल शर्मा वार्ड**
**वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **20** मांग **पंजी क्र. 169 युआईडी 22058** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **आफताब खान/ हाजी एस खान** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ललित सिंह/ स्व. कुंदन राजपूत** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **03-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 224 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- सुन्दर लाल शर्मा वार्ड**
**वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **20** मांग **पंजी क्र. 416 युआईडी 22306** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **उमेश कुमार पटेल/ किशोरी लाल पटले** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रेवन पटले/ टीमन लाल पटले** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **03-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 226 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- सुन्दर लाल शर्मा वार्ड**
**वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **20** मांग **पंजी क्र. 122 युआईडी 22011** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कंचन प्रेम चंदानी/ श्री चन्द प्रेम चंदानी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कंचन गुप्ता/ बच्चा बाबू गुप्ता** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **03-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

**आम-सूचना**

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर कॉलोनी,** रायपुर में निर्मित **एल.आई.जी. भवन योजना** के अतर्गत, दुकानों/ भूखण्डों/ भवनों में से भूखण्ड/ **भवन क्रमांक LIG-31 श्रीमती उमा साहू पिता/पति श्री कुंजलाल साहू** को भाड़ाक्रय/ पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक **06/02/2018** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक **06/05/2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती संपत कुमारी पिता/पति श्री आशाराम मीणा** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के **15 दिन** के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर नापत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

**सम्पदा अधिकारी,**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01**
**कबीर नगर, रायपुर**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12494/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12494**
**वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445J00338** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. DROPATI DEVDAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SANTOSH DEVDAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUSHMA BAI CHELAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI ASHARAM CHELAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ....... / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री दिनेश कोसरिया**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12449/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12449**
**वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445H00224** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PADAM WADHWA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SOMAN DAS WADHWA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANOJ BATHIJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI PARASRAM BATHIJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री दिनेश कोसरिया**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12483/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12483**
**वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651E00040** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL UMA YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAROTTAM YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कुलसुम बी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कादर हुसैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री दिनेश कोसरिया**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12611/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12611**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331E00037** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJU UMBALKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. GAJANAND UMBALKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VARSHA BITURWAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **SW. SHRI VASANT RAO ANTARAM MADEWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्रीमती प्रीति सिंह**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12765/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12765**
**वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801R00145** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAROJ SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. BRIJABHUSHAN SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIKKEE BHATT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABHISHEK KUMAR BHATT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री अरूण ध्रुव**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-8**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 218 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड**
**वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 1931 युआईडी 37644** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अखिलेश जेठी/ गोपाल जेठी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कन्हैया लाल फलोदिया/ डुंगरमल फलोदिया** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **02-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 219 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड**
**वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 1931 युआईडी 37644** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कन्हैया लाल फलोदिया/ डुंगरमल फलोदिया** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **जावेद मुसानी/ अब्दुल वाहिद मुसानी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **02-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

**-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-**

**नामांतरण प्रकरण क्र. 222 दिनांक 03.07.2024**
**वार्ड का नाम- मां शीतला वार्ड**
**वार्ड क्र. 16 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **16** मांग **पंजी क्र. 1451 युआईडी 37676** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अमरीका साहू/ भरत साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रिचा कुमारी/ संयोग गुप्ता** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **03-08-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12546/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 03-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12546**
**वार्ड का नाम- 28 - शहीद हेमू कालाणी वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235E00103** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAKESH SARAOGI S/O SATYANARAYAN SARAOGI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAKESH SARAOGI S/O SATYANARAYAN SARAOGI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI DALJEET SINGH CHHABRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MANOHAR SINGH CHHABRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12549/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 03-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12549**
**वार्ड का नाम- 28 - शहीद हेमू कालाणी वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223L00059** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRS. FARJANA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MD. RAFIQ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI SAJAL JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MANOHAR LAL JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12499/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 03-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12499**
**वार्ड का नाम- 28 - शहीद हेमू कालाणी वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235G00231** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAJESH CHOPDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PREMCHAND CHOPDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI HARSHIL MENDIRATTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O HARVINDER SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12692/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 03-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12692**
**वार्ड का नाम- 36 - हवलदार अब्दूल हमीद वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR436F00010** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MO. BILAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL SATTAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती सादिका** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- श्री इब्राहिम** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12070/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12070**
**वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446Q01079** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VINITA BAJPAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **T. MURLI KRISHNA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CH ELVINA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CH PHILIP** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री दिनेश कोसरिया**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12457/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12457**
**वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445J00019** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **COVT NAZUL LAND DHELABAI JANGHEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RADHE LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SAHODRA BAI JANGHEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SAROJ KUMAR JANGHEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री दिनेश कोसरिया**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12447/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12447**
**वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445N0283V** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUVID MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DWARIKADHISH MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SHENILA MOHAMMAD HUSSAIN MARFANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI MOHAMMAD HUSSAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री दिनेश कोसरिया**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12606/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 02-07-2024

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 12606**
**वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445I00098** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUKESH PRASAD TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **M.P. TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SHRADDHA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI SHALABH SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री दिनेश कोसरिया**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

# लंबित प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें, विलंब पर होगी नोटिस जारी : कलेक्टर अजीत वसंत

### कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में की विभागीय कार्यों की समीक्षा

**कोरबा (विश्व परिवार)।** कलेक्टर अजीत वसंत ने आज समय सीमा की बैठक लेकर टीएल के संबंधित पत्र, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने जन चौपाल में प्राप्त आवेदनों तथा टीएल के लिए प्रेषित प्रकरणों पर समय सीमा में कार्यवाही नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों एवं टीएल में दर्ज प्रकरणों पर गंभीरता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने लंबे समय से दर्ज प्रकरणों को एक सप्ताह के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही एक सप्ताह के पश्चात् निराकृत नहीं करने वाले संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बारिश के मौसम को देखते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने सभी सतर्क रहें और बिना सूचना के मुख्यालय न छोड़ें। कलेक्टर ने अधिकारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने के भी निर्देश दिए। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के पात्र युवाओं को आवेदन प्राप्त होने पर शिक्षा विभाग में स्वीकृत तथा रिक्त पदों पर मानदेय के आधार पर नियुक्ति प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को आश्रम छात्रावास का निरीक्षण करने और विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने भवन विहीन प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला की सूची तैयार करने तथा एक हफ्ते के भीतर स्कूलों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की मानदेय आधारित भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने आंगनबाड़ी केंद्र में विद्युतीकरण, महिला हॉस्टल में पीवीटीजी को रोजगार के अवसर प्रदान करने, विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों पर कार्यवाही करने, छात्रावास में नियमानुसार जरूरतमंद अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में संलग्नीकरण समाप्त करने तथा बिना अनुमति के शिक्षकों का बीईओ द्वारा अटैचमेंट नहीं करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जन चौपाल में प्राप्त शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी मौके पर जांच कर प्रकरणों पर समय सीमा के भीतर कार्यवाही करें और की गई कार्यवाही से अवगत कराएं।

## संक्षिप्त समाचार

### युवा मोर्चा ने किया राहुल गांधी का पुतला दहन

**कवर्धा (विश्व परिवार)।** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा सदन में हिंदू समाज को हिंसक बताने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान जिला उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी ने कहा फिरोज खान के पोता राहुल गांधी को हिंदू समाज से नाक रगड़कर माफी मांगनी चाहिए और कांग्रेस पार्टी में कार्य कर रहे हिंदू नेताओं को सोचना चाहिए और अपने दिशाहीन बढ़ बोले नेता राहुल गांधी को समझाएं कि वह हिंदू समाज से माफी मांगे। जिला अध्यक्ष मनीराम साहू ने कहा स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था गर्व से कहो हम हिंदू है भारत देश में सनातन धर्म था सनातन धर्म है और सनातन धर्म रहेगा जिस प्रकार राहुल गांधी ने हिंदू समाज को देश के मंदिर सामान संसद में हिंसा करने वाला समाज बोला जो की बहुत ही निंदनीय है इसके लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, नपा अध्यक्ष मनहरण कौशिक प्रदेश मंत्री ठाकुर पीयूष सिंह जिला मंत्री सुरेश दुबे प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य खिलेश्वर साहू रवि राजपूत अशोक चंद्रवंशी जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर, मनोज वैष्णव मिथलेश बंजारे जिला मंत्री हेमचंद चंद्रवंशी अरविंद वर्मा रामविलास चंद्रवंशी मिडिया प्रभारी योगेश ठाकरे मंडल अध्यक्ष गण् अनिल साहू, यशवंत साहू योगेश महाजन मुकेश सेन दीपक सोनू उपस्थित रहे।

### कोल इंडिया की बैठक में कई मांगो पर बनी सहमति

**कोरबा (विश्व परिवार)।** कोल इंडिया वेलफेयर बोर्ड की बैठक नागपुर में संपन्न हुई। अध्यक्षता कोल इंडिया के निदेशक ;कार्मिकद्ध विनय रंजन ने की। कोल इंडिया अपने कर्मियों की 30 लाख रुपये तक हाउस बिल्डिंग एडवांस देने पर सहमत हो गया हैए यानी कोल कर्मी अब घर बनाने के लिए 30 लाख रुपया तक एडवांस ले सकेंगेए वर्तमान में यह सुविधा कर्मियों को नहीं मिल रही है। बैठक में मेडिकल अटेंडेंस रूल में बदलाव करने व मेडिकल रिम्नेसमेंट की विस्तृत जानकारी देने पर भी सहमति बनी है। अब सभी रिटायर कोल कर्मियों का कार्ड बनेगा। इसमें कर्मचारियों के बारे में पूरी जानकारी रहेगी। पहले चिकित्सा के लिए अटेंडेंट को कर्मचारियों की तरह सुविधा नहीं मिलती थी। परंतु अब उन्हें भी कर्मचारियों की तरह सुविधा मिलेगी। कंपनी के कई अस्पतालों में अटेंडेंट को आसपास में रहने की सुविधा नहीं मिलती थीए परंतु अब यह सुविधा मिलेगीए कंपनी में सभी स्तर पर कैंटीन का निर्माण कराने का भी निर्णय लिया गया। अभी कर्मियों को एंबुलेंस लेने पर तय भाड़ा दिया जाता है। जिसका भाड़ा बढ़ाने पर सहमति बनी है। वेलफेयर बोर्ड की बैठक में सभी कोल कंपनियों में वेलफेयरए मेडिकलए खेलकूद आदि की स्थिति के निरीक्षण को लेकर चार सदस्यीय कमेटी बनाई गयी। जिसमें एटक से अशोक यादवए सीटू से पीएस पांडेए एचएमएस से शंकर बेहरा व बीएमएस से इटेश्वर सिंह राठौड़ को शामिल किया गया है।

### डॉक्टर दिवस : जिले के चिकित्सक हुए सम्मानित

**रायगढ़ (विश्व परिवार)।** सीएमएचओ डॉ.बी.के.चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, रायगढ़ में डॉक्टर दिवस का आयोजन किया गया। डॉक्टर दिवस डॉक्टरों के अनमोल सेवाओं को सम्मानित करने के लिये मनाया जाता है। स्वास्थ्य और उपचार के प्रति डॉक्टरों की अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करने का एक खास अवसर है, यह खास दिन डॉक्टरो और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के योगदान का सम्मान करता है साथ ही उनके नि:स्वार्थ भाव से लोगों को ठीक करने, समाज के प्रति डॉक्टरों के समर्पण और योगदान का सम्मान करने हेतु जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने समस्त डॉक्टरों को सम्मान करते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट किया। डॉक्टर दिवस के अवसर पर वरिष्ठ डॉक्टर डॉ.एच.उराव, डॉ एस.एस.उपाध्याय, डॉ. वाय.के. सिंदे, डॉ.पदमन पटेल, डॉ.आर.एन.मंडावी, डॉ.रूपेन्द्र पटेल जिला स्थानीय कार्यालय रायगढ़ से डॉ.टी.जी.कुलवेदी, जिला मलेरिया अधिकारी, डॉ.बी.पी.पटेल जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ केनन डेनियल जिला नोडल अधिकारी आईडीएसपी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रंजना पैंकरा, डॉ. राजेश मिश्रा आरएमएनसीएच ए, जिला चिकित्सालय से डॉ उषा किरण भगत, डॉ. सुषमा एक्का, डॉ.मीना पटेल, डॉ,प्रकाश चेतवानी, डॉ.दिनेश पटेल, डॉ राजकुमार गुप्ता, विकासखंड से डॉ.रजनी पटेल, डॉ. दिनेश नायक, डॉ.अशोक अग्रवाल, डॉ.अभिषेक पटेल विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (खरसिया), डॉ. सुरेन्द्र कुमार पैंकरा, डॉ हितेश जायसवाल विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (लोईंग), डॉ. आशीष मिंज विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (तमनार), डॉ. लखन पटेल विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (लैलूंगा), शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ..काकोली पटनायक को सम्मानित किया गया।

## अपने उत्पादों की मार्केटिंग के लिए भरपूर प्रयास करें एफपीओ : कलेक्टर अजीत वसंत

### एफपीओ के गठन एवं संवर्धन के तहत जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक हुई संपन्न

**कोरबा (विश्व परिवार)।** कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में केंद्र शासन के 10 हजार एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) के गठन एवं संवर्धन के तहत जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में एफपीओ से संबंधित सभी आवश्यक विषयों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी एफपीओ को अपने उत्पादों की मार्केटिंग के लिए भरपूर प्रयास करें, जिससे ग्रामीणों, किसानों को लाभ मिल सके। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संबित मिश्रा, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री संजीव प्रधान, सभी एसडीएम, कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी, पशुपालन, एफपीओ के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे। कलेक्टर ने जिले में एफपीओ को मिले लाइसेंस की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग को निर्देशित किया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार 15 जुलाई 2024 के पूर्व सभी एफपीओ को लाइसेंस जारी किए जाएं। बैठक में जिले में सेंट्रल सेक्टर स्कीम एवं विभागीय योजना के तहत एफपीओ के गठन एवं संवर्धन की दिशा में प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिले में संचालित एफपीओ को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के लिए विभिन्न लाइसेंस, इनपुट लाइसेंस (खाद/बीज/कीटनाशक), मंडी लाइसेंस, जीएसटी लाइसेंस, एफएसएसएआई लाइसेंस जारी करने के निर्देश दिए गए। ओएनडीसी सहित अन्य ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्मों पर एफपीओ की आनबोर्डिंग की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही विभागीय योजनाओं के अंतर्गत अभिसरण के अवसर पर चर्चा की गई। बैठक में केंद्र शासन/राज्य शासन की योजनाओं के तहत गोडाउन, कोल्ड स्टोरेज निर्माण, प्रसंस्करण आदि योजनाओं से लाभ लेकर एफपीओ के व्यवसाय विकास के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री मिश्रा द्वारा लखपति दीदी ''पहल'' के संबंध में विभाग प्रमुखों के साथ चर्चा करते हुए जिले की एनआरएलएम से जुड़ी हुई समूह की महिलाओं के आमदनी बढ़ाने हेतु उन्हें विभागीय योजनाओं से जोडने के निर्देश दिए।

## रामपुर से गोवर्धनपुर मार्ग में गड्ढों का भराव कर आवागमन किया गया सुचारू

### भारी वाहनों के कारण लग रहा था जाम

**रायगढ (विश्व परिवार)।** रामपुर से गोवर्धनपुर मार्ग पिछले दिनों हुई बारिश के कारण मार्ग में कई जगह गड्ढे हो गए थे जिसकी वजह से इस मार्ग पर भारी वाहनों को आवागमन बाधित हो रहा था। जिससे जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। ऐसी स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने नगर निगम आयुक्त और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मार्ग में गड्ढों को भरते हुए आवागमन को सुचारू करने के निर्देश दिए थे। जिसके पश्चात गड्ढों का भराव कर भारी वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीओ पीडब्ल्यूडी श्री मुरारी सिंह नायक ने बताया कि सड़क में गड्ढों में स्लैग का भराव किया गया है। नीचे बड़े स्लैग डाले गए हैं और सड़क को समतल किया जा रहा है। गड्ढों से पानी निकासी की व्यवस्था भी की जा रही है। जिससे सड़क पर भारी वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से हो सके। गौरतलब है कि रामपुर से गोवर्धनपुर मार्ग में रोजाना सैकड़ों भारी वाहनों, ट्रकों की आवाजाही होती है। इससे इस मार्ग में बारिश के दौरान गड्ढे में वाहनों के फसने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग रही थी। गड्ढों का भराव कर यातायात सुचारू किया गया है। नगर निगम आयुक्त श्री सुनील कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि इस मार्ग के निर्माण के लिए नगर निगम के द्वारा प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया है। स्वीकृति प्राप्त होने के तत्काल पश्चात मार्ग का निर्माण प्रारंभ कर दिया जाएगा।

## कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

**कोरबा (विश्व परिवार)।** कलेक्टर अजीत वसंत ने आज जन चौपाल में लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रकरण अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में लोगों ने अलग.अलग समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन दिया। जनचौपाल में कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर जनचौपाल में हरदीबाजार के ग्रामीणों ने क्षेत्र में सिटी बस संचालन की मांग की। जनचौपाल में अतिक्रमण हटानेए आंगनबाड़ी केंद्र संचालित करनेए बैंक से लोनए सीमांकन कराने तथा छात्रावास में एडमिशन कराने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निर्देशित किया है कि आवेदनों का परीक्षण कर शासन के नियमानुसार कार्यवाही समय सीमा सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनचौपाल में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि आवेदक को दोबारा जनचौपाल में ना आना पड़े। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संबित मिश्राए अपर कलेक्टर श्री दिनेश कुमार नाग सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

## दालों की जमाखोरी रोकने के संबंध मे अधिकारी करे नियमित निरीक्षण : कलेक्टर

**कोरबा (विश्व परिवार)।** भारत सरकार उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा दिनांक 21 जून .2024 को प्रकाशित राजपत्र के अनुसार दालों तुअर/अरहर और उड़द के जमाखोरी रोकने हेतु स्टॉक का निर्धारण किया गया है। दालों के जमाखोरी रोकने के संबंध मे कलेक्टर महोदय श्री अजीत बसंत के द्वारा दाल के व्यापारियों को भारत सरकार के पोर्टल (द्बष्ठ्ठद्बह्वद्बश2द्दड्ड.ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ /श्चह्यश्च) पर पंजीयन करने तथा सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, खाद्य निरीक्षक/सहायक खाद्य अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया है कि दालो के स्टॉक के संबंध में दिए गए निर्देशों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। भारत सरकार द्वारा दालों तुअर/अरहर और उड़द के लिए स्टॉक का निर्धारण किया गया है, जिसमें थोक विक्रेताओं के पास प्रत्येक दाल का 200 मेट्रिक टन, खुदरा व्यापारियों को 5 मेट्रिक टन, बिग चैन रिटेलर एवं प्रत्येक खुदरा आउटलेट पर 5 मेट्रिक टन और डिपो में 200 मेट्रिक टन, से अधिक नही होना चाहिए। इसी प्रकार मिलर का स्टॉक सीमा विगम 03 माह के उत्पादन अथवा वार्षिक संस्थापित क्षमता का 25 प्रतिशत, इनमें से जो अधिक हो, होगी तथा आयातक द्वारा सीमा-शुल्क की मंजूरी की तारीख से 45 दिनों से अधिक लिए आयातित स्टॉक का धारित नहीं किया जायेगा। उपरोक्त स्टॉक सीमा के लिए संबंधित दाल के कारोबारियों द्वारा उपभोक्ता मामले विभाग के पर स्टॉक की स्थिति की घोषणा करेंगी और उनके द्वारा धारित स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक होने की स्थिति में 12 जुलाई 2024 तक इसे निर्धारित सीमा तक लाएंगे। भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये पोर्टल में थोक खुदरा थोक एवं खुदरा व्यापारियों, बिग चैन रिटेलर एवं उत्पादक का पंजीयन करना सुनिश्चित करें। पंजीकृत संस्थान प्रति शुक्रवार को अपने स्टॉक की घोषणा करेंगी। भारत सरकार द्वारा जारी आदेश दिनांक 30.09.2024 तक की अवधि के लिए प्रभावशील रहेगा।

# महापौर राजकिशोर प्रसाद ने किया कोरबा शहर का दौरा

### नालियों की साफसफाई व बरसाती पानी की निकासी व्यवस्था का किया अवलोकन

**कोरबा (विश्व परिवार)।** महापौर राज किशोर प्रसाद ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि पावर हाउस रोड स्थित दुकानों के सामने होने वाले पानी के ठहराव की समस्या को तात्कालिक रूप से दूर करें। उन्होंने शहर की साफसफाई व्यवस्था का अवलोकन करते हुए कहा कि नियमित रूप से नालियों की सफाई की जाए तथा सफाई कार्यों पर कड़ी नजर रखी जाए। उन्होंने व्यवसायीबंधुओं से भी आग्रह किया कि वे दुकानों प्रतिष्ठानों से निकले कचरे को नाली व रोड पर न डालें तथा सफाई व्यवस्था में अपना सहयोग दें। पावर हाउस रोड स्थित दुकानों के सामने रोड पर नाली नहीं होने के कारण बरसाती पानी के ठहराव की स्थिति निर्मित हो जाती है। स्थानीय व्यापारियों ने उक्त समस्या से महापौर प्रसाद को अवगत कराया था। महापौर प्रसाद ने सोमवार को अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया तथा पानी के ठहराव की समस्या को तात्कालिक रूप से दूर करने के निर्देश देने के साथ ही कहा कि समस्या के स्थाई हल हेतु मस्जिद के समीप से नाली का निर्माण कराएं तथा सर्वमंगला रोड पर निर्माणाधीन बड़े नाले से उक्त नाली को जोड़ें। उन्होंने मुरारका पेट्रोल पंपए रानी रोडए ओवर ब्रिज के नीचे के क्षेत्र का भ्रमण कर साफसफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा नियमित रूप से नालियों की सफाई करने एवं नालियों के ऊपर लगाए गए स्लैब को हटाकर एक बार नालियों की संपूर्ण सफाई किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर प्रसाद ने व्यवसायी बंधुओं से आग्रह किया कि वे अपने दुकानों प्रतिष्ठानों से निकलने वाले अपशिष्ट को नाली व सड़क पर न डालेंए सफाई व्यवस्था में सहयोग दें। इस अवसर पर वार्ड पार्षद दिनेश सोनीए हाजी एखलाक खानए जुम्मन खानए अहमद मेमनए नरेश अग्रवालए नवीन अग्रवालए विजय अग्रवालए निगम के कार्यपालन अभियंता विनोद शांडिल्यए सहायक अभियंता राहुल मिश्रा आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे। महापौर राज किशोर प्रसाद ने दुकानदारों के निवेदन पर टीपी नगर स्थित नया बस स्टैंड का निरीक्षण किया। बस स्टैंड में स्थित दुकानों में पानी की सीपेज की समस्या का अवलोकन करते हुए बस स्टैण्ड की बिल्डिंग की मरम्मत के संबंध में आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उक्त सम्पूर्ण भवन मरम्मत योग्य हैए जिसकी मरम्मत करने के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश महापौर प्रसाद ने अधिकारियों को दिए।

दैनिक
# विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 04 जुलाई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com



## संपादकीय

# नशे से दूरी के लिए फिटनेस है जरूरी.....

## बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया

राजधानी दिल्ली में बारिश ने 88 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए जन-जीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने अगले चार दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले सात दिन तेज वष्रा की संभावनाएं जताई जा रही हैं। भारी बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में भी काफी गिरावट आई है। मगर कई इलाकों में जल-भराव के चलते दिल्ली के सारे विकास की हालत पस्त हो गई है। मानसून आगमन के कारण हुई तीन घंटों तक मूसलाधार बरसात के कारण दिल्ली हवाई अड्डे में छत का एक हिस्सा गिरने से एक वाहन चालक की मौत हो गई। साथ ही, अन्य संबंधित घटनाओं में भी सात अन्य लोगों की अलग-अलग मौत हो गई। पुलिस अभी पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के इंतजार में है। भीषण गर्मी के मार झेल रहे दिल्ली वाले मानसून के बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मगर सामान्य से दो दिन पूर्व हुई इस जबरदस्त बरसात ने रहवासियों को बुरी तरह भयभीत कर दिया है। मोहल्ले और बस्तियां ही पानी में नहीं डूबी हैं, बल्कि कई अति व्यस्त अंडरपास भी बरसात के पानी से लबालब भर गए। समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम के चलते थम सी गई। यह कोई पहली बार नहीं है, जब दिल्लीवासियों को जल भराव जैसी समस्या से जूझना पड़ रहा है। हर साल राज्य सरकार का तंत्र घोर लापरवाही करता रहता है और अंत में केंद्र सरकार पर सारा ठीकरा फोड़कर अपने ढें पर चल पड़ता है। दिल्ली ही नहीं, प्राकृतिक आपदाओं के चलते प्रति वर्ष देश भर में जनता को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सैकड़ों मौते होती हैं, और जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। सिर्फ चमचमाती सड़कों, फ्लाईओवरों और दमकती रोशनी को विकास का पर्याय नहीं माना जा सकता। बल्कि पानी की उचित निकासी और बरसाती पानी के भंडारण की सटीक व्यवस्था की जरूरत ज्यादा है। दरअसल, यह दिल्ली की ही समस्या नहीं है, बल्कि देश के तमाम बड़े शहरों और महानगरों में बारिश होते ही सवाल उठते लगते हैं कि हमारे विकास में क्या खामियां हैं, जो एक ही बारिश में शहर पानी-पानी हो जाते हैं। बरसात में लोगों की परेशानी पर किसी को तो जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। केंद्र की भी जिम्मेदारी है कि मौसम की मार से जनता को बचाने की पूर्व तैयारियों पर जोर दे। राज्य सरकारों को भी सख्ती से मुस्तैद रहने की नसीहतें दी जाएं।

**भूपिंदर सिंह**

आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाउन करना होगा। कई मिनटों तक शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। हर मसल व अंग को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। आज के विद्यार्थी को अगर कल का अच्छा नागरिक बनाना है तो हमें विद्यालय व घर पर उसके लिए सही फिटनेस कार्यक्रम देना होगा, जो नशे से भी दूरी बनाता हो किसी भी सभ्यता या देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूलों व अभिभावकों को इस विषय पर सचेत हो जाना चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। इसलिए विद्यालय स्तर पर माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक, दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य था। इस

सबके पीछे कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों की दूरगामी सोच थी। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। नब्बे के दशक चलते ही हिमाचल प्रदेश में खेलों के लिए तत्कालीन खेल मंत्री रामलाल ठाकुर ने शुरुआती दौर में अच्छा कार्य किया था। प्रेम कुमार धूमल ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय खेल ढांचा, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा प्रशिक्षकों की नियुक्ति करके खेलों को गति दी। जयराम सरकार में पहले गोविंद ठाकुर व बाद में राकेश पठानिया ने खेल मंत्री रहते हुए नई खेल नीति दी जिसमें काफी आकर्षक नगद ईनाम रखे हैं। अब सुक्खू सरकार ने कुछ ईनामों में और सम्मानजनक बढ़ोतरी कर दी है। अच्छा होता राज्य प्रशिक्षक भी भर्ती होते क्योंकि खिलाड़ी तो प्रशिक्षक ही बनाएगा। जब लाखों बच्चों के लिए फिटनेस कार्यक्रम बनेगा तो उसमें से ही फिट नागरिक प्रदेश को मिलेंगे। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। इसलिए विद्यालय स्तर पर माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक, दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है।आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाउन करना होगा। कई मिनटों तक शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। हर मसल व अंग को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। आज के विद्यार्थी को अगर कल का अच्छा नागरिक बनाना है तो हमें विद्यालय व घर पर उसके लिए सही फिटनेस कार्यक्रम देना होगा, जो नशे से भी दूरी बनाता हो। तभी हम सही अर्थों में अपनी अगली पीढ़ी को शिक्षित करने का दम भर सकते हैं।

## विशेष लेख

## सबके लिए त्वरित न्याय की अवधारणा पर आधारित हैं नये आपराधिक कानून

**डॉ. मोहन यादव**

भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तन और सुधार एक महत्वपूर्ण विषय है, जो समाज की बदलती आवश्यकताओं और न्याय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर किया जाता है। हाल ही में, भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे आपराधिक कानूनों को संसद में पारित किया गया। अब एक जुलाई 2024 से पूरे देश में यह लागू हो रहा है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने संसद में कानून को पेश करते हुए कहा कि खत्म होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेज़ी शासन को मज़बूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे । इनका उद्देश्य दंड देने का था, न की न्याय देने का। तीन नए कानून की आत्मा भारतीय नागरिकों को संविधान में दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करना, इनका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि न्याय देना होगा। भारतीय आत्मा के साथ बनाए गए इन तीन कानूनों से हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। पुराने कानूनों में गुलामी की बू आती थी। ये तीनों पुराने कानून गुलामी की निशानियों से भरे हुए थे क्योंकि इन्हें ब्रिटेन की संसद ने पारित किया था और हमने सिर्फ इन्हें अपनाया था। इन कानूनों में पार्लियामेंट ऑफ यूनाइटेड किंगडम, प्रोविंशियल एक्ट, नोटिफिकेशन बाई द क्राउन रिप्रेज़ेन्टेटिव, लंदन गैज़ेट, ज्यूरी और बैरिस्टर, लाहौर गवर्नमेंट, कॉमनवेल्थ के प्रस्ताव, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड पार्लियामेंट का ज़िक्र है। इन कानूनों में हर मैजेस्टी और बाइ द प्रिवी काउंसिल के रेफेरेंस दिए गए हैं, कॉपीज़ एंड एक्सट्रैक्ट्स कंटेट इन द लंदन गैज़ेट के आधार पर इन कानूनों को बनाया गया, पज़ेशन ऑफ द ब्रिटिश क्राउन, कोर्ट ऑफ जस्टिस इन इंग्लैंड और हर मैजेस्टी डॉमिनियन्स का भी ज़िक्र इन कानूनों में कई स्थानों पर है। अच्छी बात यह कि गुलामी की निशानियों को पूरी तरह मिटा दिया गया है। जिसके तहत 475 जगह गुलामी की निशानियों को समाप्त कर दिया गया है। हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत समय लगता है, कई बार न्याय इतनी देर से मिलता है कि न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह जाता है, लोगों की श्रद्धा उठ जाती है और अदालत में जाने से डरते हैं। इन कानूनों को बनाने के पीछे बहुत लंबी प्रक्रिया रही है। इन कानूनों को आज के समय के अनुरूप बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त, 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और देश के सभी कानून विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे थे। वर्ष 2020 में सभी, महामहिम राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सांसदों एवं संघ-शासित प्रदेशों के महामहिम प्रशासकों को पत्र लिखे गए। इसके बाद व्यापक परामर्श के बाद ये प्रक्रिया कानून बनने जा रही है। इसके लिए 18 राज्यों, 6 संघशासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 16 हाई कोर्ट, 5 न्यायिक अकादमी, 22 विधि विश्वविद्यालय, 142 सांसद, लगभग 270 विधायकों और जनता ने इन नए कानूनों पर अपने सुझाव दिए हैं। यह प्रक्रिया सरल नहीं थी, काफी मेहनत की गई बीते 4 सालों में। खूब विचार विमर्श किया गया है। इस संदर्भ में हुई 158 बैठकों में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उपस्थित रहे हैं। इन कानूनों में क्या बदलाव हुआ है, इस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बताया कि आज तक आतंकवाद से परिचित सभी थे लेकिन आतंकवाद की परिभाषा, व्याख्या नहीं थी। अब ऐसा नहीं रहेगा। अब अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियां, अलगाववाद, भारत की एकता, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने जैसे अपराधों की पहली बार इस कानून में व्याख्या की गई है। इससे जुड़ी संपत्तियों को ज़ब्त करने का अधिकार भी दिया गया है। जांचकर्ता पुलिस अधिकारी के संज्ञान पर कोर्ट इसका आदेश देगा। गौरतलब है कि अनुपस्थिति में ट्रायल के बारे में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला किया है। सेशंस कोर्ट के जज द्वारा प्रक्रिया के बाद भगोड़ा घोषित किए गए व्यक्ति की अनुपस्थिति में ट्रायल होगा और उसे सज़ा भी सुनाई जाएगी, चाहे वो दुनिया में कहीं भी छिपा हो। उसे सज़ा के खिलाफ अपील करने के लिए भारतीय कानून और अदालत की शरण में आना होगा। अभी तक देखा गया है कि देश भर के पुलिस स्टेशनों में बड़ी संख्या में केस संपत्तियां पड़ी रहती हैं। अब इस ओर भी तेजी लाई जाएगी।

# आखिरकार टी-20 विश्व कप चैंपियन बना भारत

**मनोज चतुर्वेदी**

भारत आखिरकार, टी-20 विश्व कप में चैंपियन बन गया। उन्होंने बारबाडोस के केनसिंग्टन ओवल में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा कर यह सफलता हासिल की है। भारत ने टी-20 विश्व कप को दूसरी बार जीता है। इससे पहले 2007 में इसकी शुरुआत होने पर महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में चैंपियन बना था। धोनी की कप्तानी में ही भारत ने 2011 में वनडे विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती। पर इसके बाद से सफलता रूठी रही। पिछले साल नवम्बर में भारतीय टीम वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हारी तो लगा कि टीम में चैंपियन बनने का दम नहीं है। पर सात माह में ही टीम चैंपियन का सपना पूरा करने में सफल रही। भारत जब वनडे विश्व कप में हारा तो रोहित शर्मा की कप्तानी पर सवाल उठने लगे थे। माना जा रहा था कि किसी युवा को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। लेकिन रोहित जब पहली बार चयन समिति से मिले तो उन्होंने कहा कि हमारी टीम के खिलाड़ियों को खारिज करना सही नहीं होगा क्योंकि हमने लीग चरण में चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सहित हर टीम को हराया है। चयन समिति को इससे लगा कि रोहित टी-20 विश्व कप में कप्तानी करने को तैयार हैं। तब उन्हें ही विश्व कप में कप्तान बनाने का ऐलान हुआ। इसके बाद रोहित ने कोच राहुल द्रविड़ और सपोर्ट स्टाफ के साथ मिल कर टीम के खेलने के अंदाज को नया आयाम दिया। इसे बाद टीम ने मुश्किल में फंसने के बाद भी आक्रामक रुख नहीं छोड़ा और यह बदलाव ही टीम को चैंपियन बनाने में सफल रहा। इस सफलता ने कोच राहुल द्रविड़ हों या कप्तान रोहित शर्मा सभी की छवि को नया रूप दे दिया है। राहुल बेजोड़ खिलाड़ी होने के बावजूद कभी विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा नहीं बन सके थे। अपनी कप्तानी में बारबाडोस में ही वनडे विश्व कप में खराब प्रदर्शन से दो-चार हो चुके थे। लेकिन अब इसी मैदान से विश्व कप जिताने वाले कोच के तौर पर अपनी इस पारी को विराम दे रहे हैं। जहां तक बात रोहित की है तो वह अपनी कप्तानी में टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में ले जा चुके थे पर चैंपियन कप्तान का टेग उनके ऊपर नहीं लग सका था। वह भारत को वनडे और टी-20 रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचाने में सफल रहे पर फिर भी विश्व कप जीतने वाले कप्तानों कपिल देव की जमात में शामिल नहीं हो सके थे पर अब टी-20 विश्व कप जीत कर वह इस जमात में शामिल हो गए हैं। रोहित और द्रविड़ की कप्तान-कोच की जोड़ी की तरह ही विराट और रवि शास्त्री की जोड़ी ने भी टीम को ढेरों सफलताएं दिलाई पर टीम को विश्व कप नहीं जिता सकी। पर विराट इससे पहले वनडे विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीमों में शामिल रहे थे और उनकी कप्तानी में भारत अंडर-19 विश्व कप भी जीत चुका था। अब टी-20 विश्व कप भी उनकी झोली में आ गया है। वह चारों ट्रॉफियां जीतने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी बन गए हैं। भारत ने जिस तरह से फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को फतह किया, उसे सालों-साल याद रखा जाएगा। भारत ने जब पहले बल्लेबाजी करके सात विकेट पर 176 रन बनाए तो यह लगा कि वह जरूरत से 10-15 रन पीछे रह गया। हालांकि यह विश्व कप फाइनल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। दक्षिण अफ्रीका के क्लासेन और क्विंटन डिकॉक खेल रहे थे तो लगा कि भारत के रन कम रह गए। लेकिन हार्दिक पांड्या ने 17वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आने पर पहले क्लासेन और फिर डेविड मिलर को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की तरफ झुके मैच को भारत के पक्ष में कर दिया। यह सही है कि उन्हें डेविड मिलर का विकेट उनके गेंदबाजी कमाल से ज्यादा सूर्यकुमार यादव द्वारा कैच पकड़ने में दिखाई सूझबूझ की ज्यादा भूमिका थी। पर अपने प्रदर्शन से उन्होंने दिखाया कि वह टीम के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। आईपीएल में खराब प्रदर्शन करने पर उन्हें टीम में शामिल करने पर भी सवाल खड़े किए जा रहे थे। विश्व कप में उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन करके दिखाया कि वह कितने अहम खिलाड़ी हैं। कोच राहुल और कप्तान रोहित के अपने फैसलों पर अडिग रहने ने भी सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस जोड़ी ने विराट से पारी शुरू कराने का फैसला किया और उनसे पहली गेंद से ही आक्रामक रुख अपनाने को कहा। इसमें विराट को थोड़ी दिक्कत हुई और वह कई बार दो-एक अच्छे शॉट लगाकर आउट होते रहे। फाइनल तक एक भी अर्धशतक नहीं बना पाने पर उनसे पारी शुरू कराने की आलोचना होने लगी। कहा जाने लगा कि यशस्वी जायसवाल से पारी शुरू कराकर विराट को तीसरे नंबर पर खिलाया जाए। अपनी कप्तानी में बारबाडोस में ही वनडे विश्व कप में खराब प्रदर्शन से दो-चार हो चुके थे। लेकिन अब इसी मैदान से विश्व कप जिताने वाले कोच के तौर पर अपनी इस पारी को विराम दे रहे हैं। जहां तक बात रोहित की है तो वह अपनी कप्तानी में टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में ले जा चुके थे पर चैंपियन कप्तान का टेग उनके ऊपर नहीं लग सका था। वह भारत को वनडे और टी-20 रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचाने में सफल रहे पर फिर भी विश्व कप जीतने वाले कप्तानों कपिल देव की जमात में शामिल नहीं हो सके थे पर अब टी-20 विश्व कप जीत कर वह इस जमात में शामिल हो गए हैं। रोहित और द्रविड़ की कप्तान-कोच की जोड़ी की तरह ही विराट और रवि शास्त्री की जोड़ी ने भी टीम को ढेरों सफलताएं दिलाई पर टीम को विश्व कप नहीं जिता सकी। पर विराट इससे पहले वनडे विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीमों में शामिल रहे थे और उनकी कप्तानी में भारत अंडर-19 विश्व कप भी जीत चुका था। अब टी-20 विश्व कप भी उनकी झोली में आ गया है।पर द्रविड़ और रोहित अपने फैसले पर डटे रहे, क्योंकि उन्हें विराट की क्षमता का अंदाजा था।

# दाहिरसेन का सप्त सिंधु व आपात स्थिति

**कुलदीप चंद अग्निहोत्री**

दाहिरसेन का सप्त सिंधु व आपात स्थिति

शायद दुनिया भर के तानाशाहों को सैमेटिक पद्धति अपने लिए ज्यादा अनुकूल लगती है, क्योंकि इसमें जनता के मुंह पर ताले लगा दिए जाते हैं और तानाशाह निश्चिन्त हो जाता है। इंदिरा गांधी के साथ भी यही हुआ था। सत्ता की हवस में उसने अपने राजधर्म का पालन नहीं किया और आपात स्थिति लगा कर लोगों की जुबान की तालाबंदी करने की कोशिश की महाराजा दाहिरसेन, सप्त सिन्धु और आपात स्थिति का आपस में क्या संबंध हो सकता है कि तीनों को एक साथ रखा गया है? सप्त सिन्धु तो वह भोगौलिक क्षेत्र है जिसमें मोटे तौर पर आज का पाकिस्तान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित और बलतीस्तान शामिल हैं। यह सात नदियों मसलन सिन्धु, सरस्वती, सतलुज, व्यास, रावी, चिनाव और जेहलम से मिलकर बना है। महाराजा दाहिरसेन वह राजा है जिसने सप्त सिन्धु प्रदेश के सिन्ध क्षेत्र पर आठवीं शताब्दी के शुरू में राज किया था। सप्त सिन्धु क्षेत्र भारतीय संस्कृति और ज्ञान विज्ञान का उत्स है। वेदों की रचना इसी भूमि पर हुई। ज्ञान की देवी शारदा मां का पीठ यहीं है। दुनिया का सबसे पहले का विश्वविद्यालय इसी सप्त सिन्धु क्षेत्र के तक्षशिला में था। भारतीय इतिहास का पहला ग्रन्थ यहीं के वाल्मीकि आश्रम में लिखा गया था। भारत का महाभारत यहीं कुरुक्षेत्र में हुआ था। महात्मा बुद्ध के वचन इसी रास्ते से पूरे मध्य एशिया में गूंजने लगे थे। गुरु नानक की दशगुरु परम्परा यहीं शुरू हुई। सप्त सिन्धु की इस संस्कृति को किसी एक वाक्य में प्रभावित करना हो तो कहा जाएगा, वह चिन्तन की स्वतंत्रता है। अपनी बात कहने और लिखने की स्वतंत्रता। इतना ही नहीं, अपनी आस्था और विरासत के लिए प्राण तक न्योछावर करने की मानसिकता। यही मानसिकता थी जिसके कारण 712 में सिन्ध प्रदेश के महाराजा दाहिरसेन अरबों की सेना से भिड़ गए थे जिसने मोहम्मद बिन काासिम के नेतृत्व में सिन्ध पर हमला किया था। मोहम्मद बिन कासिम सिन्ध को केवल जीतना ही नहीं चाहता था, वह महाराजा को यह भी विकल्प दे रहा था कि वह और उसके प्रजाजन अपनी भारतीय विरासत को छोडक़र इस्लाम को स्वीकार कर लें। महाराजा को यह स्वीकार्य नहीं था। दाहिर सेन रणभूमि में लड़ता हुआ 21 जून 712 को शहीद हो गया। अरबों का सिन्ध पर कब्जा हो गया। धीरे-धीरे तुर्कों एवं मुगलों ने पूरे सप्त सिन्धु क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। लेकिन हर मरहले पर सप्त सिन्धु के लोगों ने चाहे वे पश्तून/खत्री हों, बलोच हों, जाट हों, वाल्मीकि हों या अन्य समुदायों के लोग, सभी ने आक्रमणकारियों का बार-बार मुकाबला किया। वे पराजित जरूर हुए, लेकिन अपने अधिकार के लिए बोलना व संघर्ष करना बन्द नहीं किया। इस क्षेत्र का लोक साहित्य इसका प्रमाणन है। उसके पूरे सात सौ साल बाद 1469 में इसी सप्त सिन्धु क्षेत्र में एक नई परम्परा शुरू हुई, जिसे इतिहास में मध्यकालीन दशगुरु परम्परा कहा जाता है। इस परम्परा ने सप्त सिन्धु क्षेत्र की मूल चेतना, यानी प्रश्न करने या पूछने की स्वतंत्रता और उसकी रक्षा के लिए प्राण तक दे देने की परम्परा को पुन: जीवित किया। यह एक प्रकार से स्वतंत्र चिन्तन के अधिकार की लड़ाई थी। विदेशी शासक भारतीयों के इसी अधिकार को खा जाना चाहते थे। भोगौलिक लिहाज से सप्त सिन्धु खंड खंड तो हो ही चुका था। सप्त सिन्धु क्षेत्र के जीवन में एक ऐसा कालखंड भी आया जब उसके एकीकरण के प्रयास पुन: प्रारम्भ हुए। इसके सूत्रधार महाराजा रणजीत सिंह कहे जा सकते हैं। दरअसल वे सप्त सिन्धु के एकीकरण के महानायक थे। उन्होंने राजनीतिक लिहाज से खंडित हो चुके सप्त सिन्धु के टुकड़ों को एक बार फिर से जोडऩे का प्रयास किया। ईश्वर कृपा से इसमें उसे सफलता भी मिली। पंजाब की सब मिसलों को येन केन प्रकारेण उन्होंने आपस में मिला कर एक सुदृढ़ राज्य व्यवस्था को खड़ा किया था। मुलतान, पेशावर, कश्मीर, गिलगित, बलतीस्तान इत्यादि को मिला कर पंजाब का ऐसा सशक्त राज्य खड़ा किया, जिसको बाइपास करने की अंग्रेजों की भी हिम्मत नहीं पड़ती थी। लेकिन महाराजा रणजीत सिंह की मौत के बाद पंजाब/सप्त सिन्धु क्षेत्र अंग्रेजों के कब्जे में आ गया था। अंग्रेज यहां की शासन व्यवस्था संभाल कर ही खुश नहीं थे। उन्होंने अपनी भावी योजनाओं को सफल होता देखने के लिए पंजाब के भिन्न समुदायों में मजहब या बिरादरी के नाम पर फूट डलवाने का काम किया। थोड़ी देर के लिए वे इसमें अवश्य कामयाब हुए। भारत विभाजन हुआ। उसका दंश सप्त सिन्धु के विशाल क्षेत्र को ही सहना पड़ा। सप्त सिन्धु का जो क्षेत्र पाकिस्तान के नए नाम से जाना जाने लगा, वहां जिस निजाम की स्थापना हुई, उसने आम जन के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन कर तानाशाही और अधिनायकवाद को स्थापित करने का प्रयास किया। पाकिस्तान में शुरू में ही वहां की निर्वाचित सरकार को हटा कर सेना के बल पर मोहम्मद अयूब खान ने अपनी तानाशाही स्थापित कर ली थी। बोलने व लिखने पर पाबंदी लगा दी गई। यह पाबंदी ही सप्त सिन्धु के मूल स्वभाव को चुनौती बनती रही। वहां के लोग बार-बार उसको स्वीकारते रहे और संघर्ष करते रहे। अधिनायकवाद व लोकतंत्र में 1947 से लेकर आज तक वहां यह संघर्ष निरन्तर चलता आ रहा है। लोकतंत्र जीतता है, तानाशाही उसे पशुबल से गिराती है, फिर से संघर्ष होता है,।

## आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी का संयम वर्ष का 31वॉ वर्षायोग टीकमगढ़ में, 5 जुलाई को होगा भव्य मंगल प्रवेश




**टीकमगढ़ ( विश्व परिवार )।** आचार्य श्री सुमति सागर जी एवं विद्याभूषण आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज की शिष्या 105 आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी का संघ सहित संयम साधना वर्ष का 31वां वर्षायोग टीकमगढ़ में होगा इसके लिए आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी एवं आर्यिका श्री विश्वयशमति माताजीका भव्य मंगल प्रवेश 5 जुलाई 2024 को होगा 60 वर्षीय आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी का जन्म मध्य प्रदेश के मुंगावली में सन 1964 में हुआ आपने सोनागिर सिद्ध क्षेत्र में26 मार्च 1994 दीक्षा ग्रहण की। तथा अभी तक आपने भारत देश के अनेक राज्यों में भ्रमण किया वर्ष 2023 का वर्षायोग आपने मुरादाबाद में किया था 31 वा वर्षायोग टीकमगढ़ में होगा जो कि मध्य प्रदेश में पहली बार होगा। मुरादाबाद से विहार कर आपने बुंदेलखंड के सिद्ध क्षेत्र अतिशय क्षेत्र के दर्शन किए। टीकमगढ़ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर वैद्य कालोनी समिति के संरक्षक अनिल भदौरा एवं अध्यक्ष राजेंद्र मस्तापुर अनुसार संपूर्ण समाज द्वारा आर्यिका संघ की भव्य आगवानी कर नगर प्रवेश कराया जावेगा। चातुर्मास दौरान आर्यिका संघ का प्रवास वैद्य कालोनी के श्री पार्श्वनाथ मंदिर में रहेगा। राजेश पंचोलिया एवं शिखा दीदी अनुसार उल्लेखनीय हैं कि माताजी की प्रेरणा से सृष्टि मंगलम फाउंडेशन द्वारा सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी, सोनागिर जी महावीर जी तथा देहली में महाव्रती अणुव्रती त्यागीयो के शुद्ध आहार की व्यवस्था सुचारू संचालित है आदि सृष्टि ट्रस्ट द्वारा गंभीर रोगियों का इलाज कराया जाता हैं। शाम को आर्यिका संघ द्वारा संगीत मय गुरुभक्ति होती हैं। आर्यिका संघ की दिनांक 3 जुलाई की आहार चर्या बटवाहा टीकमगढ़ जिले में हुई। 5 जुलाई को टीकमगढ़ में प्रवेश ओर आहार चर्या होगी। **-राजेश पंचोलिया**

## संक्षिप्त समाचार

### विमर्श जागृति महिला मंच की मीटिंग सम्पन्न




**अशोकनगर ( विश्व परिवार )।** विमर्श जागृति महिला मंच की मीटिंग का आयोजन थूबोंन भवन में किया गया। जिसमें आगामी 22 जुलाई को श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी ससंघ के चार्तुमास मंगल कलश स्थापना समारोह में दिल्ली जानें का निश्चय किया गया प्रतिमाह बैठक करने एवं एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही एक निर्धन कन्या के विवाह में आर्थिक सहयोग देने हेतु दानराशि एकत्रित की गई।मीटिंग में शाखा अध्यक्ष प्रीति मोहरी, मंत्री रूबी करैया, राष्ट्रीय प्रवक्ता स्मृति भारत, पूजा देरखा, इंद्रा बारी, पूजा तारई, साधना विमलश्री, सीमा बंसल, वर्षा सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थी।

### पदोन्नति पहले हो बाद में युक्तियुक्तकरण-फेडरेशन

**जशपुर ( विश्व परिवार )।** अध्ययन एवं अध्यापन के गुणवत्ता के लिये विषय तथा कक्षा संख्या के अनुसार शिक्षकों की पदस्थापना हो-फेडरेशन



सेवा भर्ती पदोन्नति नियम 2019 के अनुसार सभी शिक्षक संवर्ग के पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही करना विद्यार्थी हित में है। मार्च 2020 के स्थिति में प्राचार्य के 2820 पद रिक्त थे। सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप आँकडा और अधिक हो गया है। ञ-संवर्ग में 2013 एवं श्व-संवर्ग में 2016 से प्राचार्य पदोन्नति नहीं हुआ है। तकरीबन यही हाल व्याख्याता के रिक्त रहे 9622 पदों का है। जोकि सेवानिवृत्ति के कारण और अधिक हो गया है। प्रधानपाठक मिडल स्कूल के 5715, शिक्षक के 15969 एवं प्रधानपाठक प्राथमिक शाला के 20678 रिक्त पदों पर कमोबेश यही स्थिति है। फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं ज़िला अध्यक्ष विनोद गुप्ता महामंत्री संजीव शर्मा का कहना है कि अध्ययन एवं अध्यापन की गुणवत्ता के लिए प्राथमिक, माध्यमिक, हाई तथा उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में कक्षावार दर्ज संख्या के अनुसार विषय शिक्षकों की पदस्थापना आवश्यक है। अत: शिक्षक संवर्ग के रिक्त पदों को पदोन्नति द्वारा भरे जाने के बाद ही युक्तियुक्तकरण करना उचित होगा। उन्होंने बताया कि पदोन्नति के पश्चात ही शालावार अतिशेष शिक्षकों की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना चाहिये। अन्यथा अनेक विद्यालय विषय शिक्षक/शिक्षक विहीन हो जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय में 5 कक्षा एवं 4 विषय, पूर्व माध्यमिक में 3 कक्षा एवं 6 विषय, हाई स्कूल में 2 कक्षा एवं 6 विषय तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त कॉमर्स संकाय के 3 विषय, कला संकाय के 3 विषय, गणित/बायलॉजी के 3 विषय के 5 कक्षाओं में अध्यापन होता है।जोकि संकाय अनुसार न्यूनतम है। कक्षाओं की संख्या दर्ज संख्या पर निर्भर होता है।फेडरेशन का कहना है कि छात्रहित के दृष्टिगत स्कूलों में अतिशेष शिक्षकों का निर्धारण पदोन्नति से पदस्थापना करने के बाद किया जाना चाहिए।पहले पदोन्नति फिर युक्तियुक्तकरण का नीति निर्धारण होना शिक्षक एवं शिक्षार्थी हित में होगा।

### कलेक्टर और सीईओ ने किया पौधरोपण

**जगदलपुर ( विसं )।** एक पेड़ माँ के नाम थीम पर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. परिवार के साथ अपने शासकीय निवास के परिसर में पौधरोपण किया। इसी प्रकार जिला पंचायत सीईओ श्री प्रकाश सर्वे ने भी अपने निवास में पौधरोपण किया। इस अवसर पर वन विभाग का अमला भी मौजूद रहा। ज्ञात हो कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारंम्भ किया है, और देशवासियों के साथ दुनियाभर के लोंगो से आग्रह किया है कि वे अपनी माँ के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाये। बस्तर में वन विभाग के सौजन्य से एक पेड़ माँ के नाम थीम पर नि:शुल्क पौधों का वितरण किया जा रहा है।

## आचार्य श्री की समाधि स्थल के दर्शन से सबकी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी : मुनि श्री आगम सागर जी महाराज

### तीर्थ दर्शन के लिये पद यात्रा का अतिशयकारी लाभ होता है, मुनिसंघ का चंद्रगिरी महातीर्थ में हुआ भव्य मंगल प्रवेश





**डोंगरगढ़ चंद्रगिरी ( विश्व परिवार )।** संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के शिष्य 108 मुनि श्री आगम सागर जी, 108 मुनि श्री पुनीत सागर महाराज जी एवं 105 एलक श्री धैर्य सागर जी महाराज जी कि भव्य मंगल अगवानी 02 जुलाई 2024 को गाजे-बाजे के साथ हुई जिसमे प्रतिभास्थली कि ब्रह्मचारिणी दीदियाँ, छात्रायें, हथकरघा कि महिलाये एवं चंद्रगिरी ट्रस्ट के पदाधिकारी गण एवं दुर्ग, डोंगरगांव और डोंगरगढ़ के बहुत से सामाजिक लोग उपस्थित हुए।

108 मुनि श्री आगम सागर जी ने कहा कि पुराने शास्त्रों में ऐसा पढ़ने में आता है कि शिखर जी कि इस टोंक कि वंदना मात्र से इतने-इतने करोड़ उपवास का फल मिलता है उसी प्रकार आचार्य श्री जी कि समाधी स्थल (निसिद्धिका) कि वंदना करने से पाप कटते हैं और जब पाप कटेंगे तो पुण्य बंध होगा ही और जब पुण्य बढेगा तो धन, समृद्धि में वृद्धि होना निश्चित है। हम लोग कुण्डलपुर से लगभग 450 किलोमीटर पद यात्रा कर यहाँ आचार्य श्री कि समाधी स्थल (निसिद्धिका) के दर्शनार्थ आये हैं। रास्ते में किसी भी साधू के पैर में न तो छाले पड़े, न छिले और न ही कोई तकलीफ आई। यह सब गुरु जी का ही आशीर्वाद है जिसके कारण हम यहाँ बिना किसी तकलीफ के आये हैं। एक बार एक व्यक्ति हमारे दर्शनार्थ आया फिर कुछ दिन बाद सपरिवार बार-बार आने लगा तो हमने उससे पूछा कि तुम क्या काम करते हो और बार-बार हमारे पास क्यों आते हो ? तो वह कहता है कि महाराज पिछले बार आपके दर्शन करने आया था तो उसके बाद मेरा एक प्लाट मै जिस रेट में चाहता था उस रेट में बिका जिससे मुझे काफी फायदा हुआ और मेरे घर का खर्चा निकालने के बाद भी काफी पैसा बचा तो मै सपरिवार आपके दर्शनार्थ आया हूँ। आपके आशीर्वाद से मेरा व्यापार अच्छा चल रहा है और आपके दर्शन का भी लाभ मिल रहा है इसलिए मै जब भी समय मिलता है तो आपके दर्शनार्थ आ जाता हूँ। यदि आपकी दुकान न चले, कोई समस्या हो तो आचार्य श्री कि समाधी स्थल (निसिद्धिका) चले जाना आपकी सभी समस्या का हल हो जायेगा और आपकी मनोकामना भी पूर्ण हो जाएगी। उनके आस-पास जो देवता थे उनके जाने के बाद वे नहीं गए वे आज भी यहीं है और जो भी उनका भक्त उनकी समाधी स्थल (निसिद्धिका) के दर्शनार्थ आता है तो वे उनकी रक्षा करते हैं और उनकी सहायता और मनोकामना भी पूर्ण करने में अपना सहयोग देते हैं। गुरु जी ने कहा था कि तुम अच्छे से जियोगे तो तुम्हारे आस-पास के लोग भी समृद्ध होंगे। तुम जिसके लिये हाथ उठाकर आशीर्वाद दोगे तो तुम्हारी सेवा करने वाले देव आपके भक्तों कि मनोकामना पूर्ण कर देंगे। आपको चाहे तन का दु:ख हो, मन का दु:ख हो या धन का दु:ख हो या आपके किसी पडोसी को कोई दु:ख हो तो सच्चे मन से गुरु जी कि समाधी स्थल (निसिद्धिका) पैदल जाना उसका महत्त्व अतिशयकारी होता है। यदि आपके पैर में दर्द हो, कोई तकलीफ हो तो कोई बात नहीं 1 घंटे कि जगह 2 घंटे लगेंगे लेकिन पैदल जाना। सौभाग्य से डोंगरगढ़ से चंद्रगिरी लगभग 2 ड्ड किलोमीटर है जहाँ जाया जा सकता है। जिसका फल आपको अवश्य ही लाभकारी होगा। इस जन्म में ना सही पर सबको मिलता है, अपने-अपने कर्मों का फल सबको मिलता है। समाधी स्थल (निसिद्धिका) में जाने से जिस प्रकार आचार्य श्री ने संलेखना धारण कर उत्कृष्ट समाधी ली है उसी प्रकार आपकी समाधी भी सफल होगी और 3 से 4 या 7 से 8 भव पश्चात सिद्ध हो जाओगे।

चंद्रगिरी में शाम के संबोधन में 108 मुनि श्री आगम सागर महाराज जी ने कहा कि 03/12/2012 को आचार्य श्री कि आज्ञा से यहाँ से हमारा विहार नागपुर के लिये हुआ था उसी दिन प्रतिभास्थली का भी शिलान्यास हुआ था। आज 2 जुलाई 2024 को पुन: आना हुआ है। सब कुछ है पर गुरु जी नहीं है। उनके आशीर्वाद से यह क्षेत्र, प्रतिभास्थली सभी कि वृद्धि होते जा रही है। सभी कार्य आगे बढ़ते जा रहे हैं। दूर-दूर से यहाँ छात्रायें पढने के साथ-साथ अच्छे संस्कार के लिये आती है और ब्रह्मचारिणी दीदीयों के पुरुषार्थ से वे छात्रायें अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिये सफल भी हो रही हैं। समय पर सब विकसित हो रहा है। यहाँ पर पढ़कर बच्चे संतुष्ट भी होंगे। यहाँ एक छात्रा जयपुर से भी आई है। गुरु जी कि दूरदृष्टि और सोच बहुत बड़ी है।

108 मुनि श्री पुनीत सागर महाराज जी ने डोंगरगढ़ मेडिकल एसोसिएशन के सभी मेडिकल स्टोर्स के संचालक एवं उपस्थित डॉक्टर को संबोधित करते हुए कहा कि नशीली दवाई एवं गर्भपात कि दवाई के सेवन से होने वाली हिंसा से बचना चाहिये। जिससे उपस्थित सभी ने अपनी सहमती देकर नियम लिया कि नशीली दवाई एवं गर्भपात कि दवाई के विक्रय से होने वाली हिंसा के पाप से बचने के लिये प्रयास करेंगे और अपने जीवन में अहिंसा को अपनाने का भी प्रयास करेंगे।

श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी अतिशय तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष सेठ सिंघई किशोर जैन ने बताया कि महाराज जी द्वारा 8 से 16 वर्ष के बच्चों का उपनयन संस्कार श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी अतिशय तीर्थ क्षेत्र में दिनांक 11/07/2024 को होगा। जिसमे आप सभी सपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ लेवें। बच्चों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चालू है। उक्त जानकारी **निशांत जैन ( निशु )** द्वारा दी गयी है।

## दुनिया में अगर श्रद्धान करना है तो मृत्यु पर ही करना, मृत्यु का सोपान ही मुक्ति का सोपान है : आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी

**हैदराबाद/औरंगाबाद ( विश्व परिवार )।** धर्म के लिए मनोबल चाहिए, जब तक मनोबल नहीं है आप जीवन में कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकते और मनोबल है, तो आप समुद्र में पड़ी चट्टान में छेद कर पानी में आग लगा सकते हैं। उक्त उद्‌गार श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में जनसमूह को संबोधित करते हुए अंतर्मना आचार्य 108 प्रसन्नसागरजी महाराज ने व्यक्त किए। आचार्यश्री ने कहा कि हम क्यों सुनते हैं, सुनने के लिए या सुनाने के लिए या सुधरने के लिए। सुनने के लिए सुनना या मात्र सुनाने के लिए सुनना व्यर्थ की बात, लोगों में लक्ष्य की कमी, उत्साह की कमी, काम तो कर रहे हैं पर बिना किसी उत्साह के। माला तो फेर रहे हैं, परंतु किसकी फेर रहे हैं और क्यों फेर रहे हैं, यह पता ही नहीं है। सुनना चाहते हैं, पर क्या सुनना चाहते हैं, यह पता ही नहीं। पूज्यश्री ने कहा कि एक वृद्ध महिला के हाथ से सुई गिर गई, तो वह जमीन पर ढूँढ़ने लगी। वहाँ अंधेरा था, तो वह हाथ से टटोलकर ढूँढ़ रही थी।



एक व्यक्ति उधर से निकले। उन्होंने पूछा कि माँ क्या ढूँढ़ रही हो, तो उन्होंने उत्तर दिया बेटा सुई गिर गई है। तो वह व्यक्ति बोला अंधेरे में क्यों ढूँढ़ रही हो, रोशनी में ढूँढ़। तो वह माता बाहर सड़क पर, जहाँ स्ट्रीट लाइट जल रही थी, वहाँ जाकर ढूँढ़ने लगी। जब बहुत देर तक नहीं मिली, तो दूसरे व्यक्ति ने पूछा, यह सुई गिरी कहाँ थी। माता बोली कमरे में गिरी थी। कमरे में गिरी और ढूँढ़ रही हो सड़क पर, क्या मिलेगी। यही आदत हमारी हो रही है। है कहीं और हम ढूँढ़ कहीं और रहे हैं। आपको तो सुधरने के लिए सुनना चाहिए और वहीं नहीं हो पा रहा है। उनका इल्ज़ाम लगाने का अन्दाज़ ही कुछ गज़ब का था. हमने खुद अपने ख़िलाफ गवाही दे दी। यदि तुम्हें यह मालूम पड़ जाए कि आज तुम्हारी जिंदगी का आखरी दिन है, तो उस दिन तुम क्या करोगे ? क्या उस दिन तुम किसी को गाली दे सकोगे ? क्या उस दिन तुम किसी के साथ छल कपट धोखाधड़ी कर सकोगे ? क्या उस दिन तुम शराब पी सकोगे, मांसाहार कर सकोगे ? क्या उस दिन तुम किसी के साथ दुर्व्यवहार, या किसी की हत्या कर सकोगे ? क्या उस दिन तुम बैर विरोध कर सकोगे ? क्या उस दिन तुम चंद चमकते दमकते कलदारो के लिए, अपने धर्म ईमान और न्याय को छोड़ सकोगे ? नहीं ना। यह कतई संभव नहीं है।

यदि तुम्हें यह मालूम पड़ जाए कि आज जिंदगी का आखरी दिन है, तो उस दिन तुम कोई पाप नहीं कर सकते, कोई अपराध और कोई खोटा कर्म नहीं कर सकते, क्योंकि तुम्हें मालूम पड़ गया है, कि यह तुम्हारा अंतिम आखरी दिन है। उस दिन तुम्हारी कोशिश होगी कि अब तक जो पाप हुए हैं, उनका प्रायश्चित कर लूँ, और जिनसे बैर विरोध है उनसे क्षमा याचना कर लूँ, जिन को ठेंस पहुंचाई है उनको माफीनामा दे दूं, अब आखरी दिन परमात्मा को धन्यवाद दे दूं, उनका पावन स्मरण कर लूं, अधिक से अधिक दान पुण्य कर लूं। मृत्यु का स्मरण आते ही धर्म का मूल्य बढ़ जाता है, और पाप कामना वासना की ओर भागता हुआ मन का, शैतान थम जाता है।इसलिए दुनिया में अगर श्रद्धान करना है तो मृत्यु पर ही करना, क्योंकि मृत्यु का सोपान ही मुक्ति का सोपान है। बहुत दूर देखने की चाहत में बहुत कुछ पास से गुजर जाता है।

**-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

## नोएडा सेक्टर 162 में जैन मंदिर शिलान्यास समारोह रोकने की साजिश का हो खुलासा, निंदा प्रस्ताव पारित




**रायपुर ( विश्व परिवार )।** विश्व जैन संगठन, विश्वास नगर कार्यालय में मंगलवार, 2 जुलाई की रात्रि को नोएडा 162 में 30 जून को जैन मंदिर शिलान्यास समारोह को रोकने और जैन आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज ससंघ को विहार कराने के संबंध में आवश्यक सभा का आयोजन संगठन के सदस्यों और विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्तिथि में हुआ।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने मंदिर शिलान्यास समारोह को जबरन रोके जाने और पूज्य आचार्य श्री ससंध को लंबे रास्ते से विहार कराए जाने के पूरे प्रकरण को दुखद और निंदनीय बताते हुए निंदा प्रस्ताव रखा और पूरे प्रकरण का खुलासा होने और दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की, जिसकी सभी ने अनुमोदना की। संगठन के संरक्षक गोल्डी जैन, उपाध्यक्ष यश जैन, मंत्री राजीव जैन, सह मंत्री मनीष जैन ने जैन सिद्धांतो और जैन संतो की कठिन दिनचर्या, तप और पैदल विहार किए जाने की जानकारी को अजैन समाज से अवगत कराने हेतु प्रचार को आवश्यक बताया और सुझाव दिए। कोषाध्यक्ष मयंक जैन, वरिष्ठ सदस्य अशोक जैन, सम्मानित सदस्य अनुज जैन, निपुण जैन ने लोक सभा चुनाव के दौरान दिल्ली के भारत मंडप में प्रधानमंत्री जी की उपस्तिथि में भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव आयोजन का उल्लेख करते हुए दिल्ली एनसीआर में इस प्रकार की घटना को दुखद बताते हुए सांसद महेश शर्मा द्वारा व्यक्तिगत रूप से 30 जून की सुबह न व्यक्तिगत रूप से आना और न ही सहयोग करने को दुखद बताया। प्रचार मंत्री प्रदीप जैन, अमित जैन और सभा में उपस्थित समाज के अनेकों गणमान्यों ने नोएडा, मेरठ व आसपास के क्षेत्रों से जैन बंधुओं और दिल्ली एनसीआर से संगठन के पदाधिकारियों के अतिरिक्त दिगंबर जैन समाज की प्रमुख संस्थाओं के पदाधिकारियों के न तो नोएडा पहुंचने और न ही घटना पर कोई बयान जारी करने पर चिंतनीय बताते हुए गंभीर विषयों पर सभी के सहयोग की अपील की।

मीडिया प्रभारी आकाश जैन, युवा प्रकोष्ठ से महामंत्री सागर जैन, देवेश जैन ने सभी समाजों का आह्वाहन करते हुए पूज्य जैन संतों के विहार, चातुर्मास और आयोजनों की स्थानीय पुलिस थानों को सूचित करने और अजैन समाज को आमंत्रित करने का सुझाव दिया। संगठन की महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका रुचि जैन, सर्वोदय तीर्थ धारूहेड़ा से प्रद्युमन जैन, बलबीर नगर से विपिन जैन, दीपक जैन डेक वाले और अन्य वक्ताओं ने भविष्य में कार्यक्रम आयोजक समितियों को गंभीर परिस्थितियों में जैन समाज की सक्रिय संस्थाओं को साथ लेकर स्थिति का निडरता से शीघ्र निपटारा किए जाना आवश्यक बताया और विभिन्न क्षेत्रों से उपस्थित सभी लोगो ने नोएडा सेक्टर 162 की कमेटी को उनके द्वारा किए जाने वाली अगामी कार्यवाही में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। **-आकाश जैन**

## विकासखंड शिक्षा अधिकारी बगीचा एम.आर. यादव ने किया विद्यालय का निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश




**जशपुर ( विश्व परिवार )।** विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा एम. आर. यादव के द्वारा पी.एम. श्री कन्या आश्रम प्राथमिक शाला बगीचा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी कक्षाएँ संचालित पार्टी गयीं। सभी शिक्षक अपने-अपने कक्षाओं में अध्यापन कराते पाये गये। संस्था की प्रधान पाठिका श्रीमती अल्का पण्डया के द्वारा अवगत कराया गया कि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने की स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई है जिसका कार्य प्रारंभ करा दिया गया है। बच्चों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कुल आठ नग वाटर फिल्टर क्रय किया गया है। सभी कमरों की साफ-सफाई कर व्यवस्थित करा लिया गया है। संस्था की कुल दर्ज संख्या 90 है जिसमें से आज की उपस्थिति 50 पायी गयी, शेष छात्राएँ वर्तमान तक अपने गृह ग्राम से आश्रम में नहीं पहुंचे हैं। विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा द्वारा आश्रम अधीक्षिका श्रीमती आभा निर्मला बरवा को तत्काल आज ही सभी छात्राओं के पालकों से सम्पर्क कर सभी छात्राओं को आश्रम बुलाने का निर्देश दिया गया। संस्था में पाठ्यपुस्तक निगम से मांग के अनुसार पुस्तकें प्राप्त हो चुकी हैं और उपस्थित सभी छात्राओं को पुस्तकों का वितरण कर दिया गया है। सभी छात्राओं के लिये एक सेट शाला गणवेश प्राप्त हो गया है तथा गणवेश का वितरण भी किया जा चुका है। छात्राओं हेतु कुल 34 डेस्क बेन्च संस्था को उपलब्ध हो गये हैं लेकिन कमरों का आकार छोटा होने के कारण सिर्फ दो ही कमरों में कुल 18 बेंच डेस्क लगवाया गया है शेष 16 बेंच डेस्क को पुस्तकालय में व्यवस्थित लगवा दिया गया है। परिसर के भीतर उपलब्ध स्थानों पर किचन गार्डन बनाने का काम किया जा रहा है। उपलब्ध स्थानों पर विभिन्न प्रकार के सब्जियों के बीज का रोपण किया गया है जो अंकुरित होने लगी है। पूरे परिसर की अच्छे से साफ सफाई करा ली गयी है। संस्था परिसर में स्थित रसोई कक्ष की विधिवत साफ सफाई कराकर मध्यान्ह भोजन की सभी सामग्रियों को साफ-सुथरा व व्यवस्थित करा लिया गया है। निरीक्षण के दौरान संस्था में कार्यरत तीनों रसोईये कार्यरत पाये गये और मध्यान्ह भोजन बनाने का कार्य किया जा रहा था। मध्यान्ह भोजन प्रतिदिन निर्धारित मेन्यु के अनुसार प्रदान किया जा रहा है। उपस्थित छात्राओं के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी लिया गया, सभी छात्राएं पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उपस्थित रसोईयों को भोजन बनाने व परोसने में सफाई का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। वाटर फिल्टर को भी नियमित समयांतराल में आवश्यक सफाई का निर्देश दिया गया।

## शिक्षक केवल पढ़ायें नहीं बल्कि बच्चे कैसे सीखतें है यह सिखायें : विनोद गुप्ता

**यशस्वी जशपुर के तहत शैक्षिक गुणवत्ता के लिए कार्यशाला**

**जशपुरनगर ( विश्व परिवार )।** मास्टर ट्रेनर्स को अपने विषय में जिले के विद्यालयों का कक्षा दसवी एवं बारहवी का परिणाम देखकर विश्लेषण कर उसके अनुरूप शिक्षकों के उन्मुखीकरण में शिक्षकों को प्रशिक्षण देना चाहिए।

उक्त विचार यशस्वी जशपुर के मास्टर ट्रेनर्स को संकल्प शिक्षण संस्थान में आयोजित बैठक में यशस्वी जशपुर के नोडल अधिकारी विनोद गुप्ता ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जिले के शा. हाई स्कुल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालय में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में अध्यापन करने वाले शिक्षक अपने अध्यापन विषय में बच्चों के लिए बेहतर क्या और कैसे कर सकें यह बात मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण में अवश्य बतायें। सभी अपने विषय में ऐसी कार्य योजना बनायें कि सभी विद्यालयों का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत हो। उन्होंने कहा कि सभी विषय शिक्षकों को विद्यालय में विषय के प्रश्नों की विद्यार्थियों के बीच क्वीज प्रतियोगिता अवश्य करानी चाहिए एवं शिक्षकों को विषयवस्तु को खेल-खेल में बताना चाहिए ताकि बच्चे को विषयवस्तु की बेहतर समझ विकसित हो सके। श्री गुप्ता ने कहा कि शिक्षक को अपने विषय का पाठ्यक्रम समाप्ति पश्चात् बच्चों से प्रश्न बनवाने चाहिए और संकलित कर प्रश्नों का चयन शिक्षक को कराना चाहिए। बच्चों के लिए प्रश्न का उत्तर देना आसान होता है, प्रश्न बनाना कठिन। यदि विद्यार्थी प्रश्न बना लेते है तो इसका अर्थ यह होता है कि उन्हें विषय वस्तु की समझ हो गई है द्य जो विद्यार्थी जितनी अधिक संख्या में अच्छे प्रश्न बनाते है उनकी उस विषयवस्तु में उतनी ही अच्छी समझ होती है। हमें बच्चों की क्षमता का आंकलन कर बताना है कि उन्हें अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करके कैसे सीखा जाता है। इसके लिये कक्षा में स्व अध्ययन हेतु आदत विकसित करना होगा, तभी निर्धारित समय में पाठ्यक्रम पूर्ण होगा और विद्यार्थी विभिन्न विषयों में दक्ष होगा। शिक्षकों को प्रतिदिन बच्चों को गृहकार्य देना चाहिए और उसका मूल्यांकन करना चाहिए एवं शिक्षक गृह कार्य का उल्लेख प्रतिदिन डेली डायरी में करें तथा प्राचार्य द्वारा रोटेशन के आधार पर प्रतिदिन शिक्षक डायरी का अवलोकन करना चाहिए। इस बैठक में अर्थशास्त्र के शिक्षक विमल मनहर ने कहा कि शिक्षकों को सत्र प्रारंभ से ही स्मार्ट पढ़ाई प्रारंभ करना चाहिए। कोशिश यह करनी चाहिए कि बच्चे को विषयवस्तु अच्छे तरह समझ आ जाये और उसे ज्यादा मेहनत न करना पड़े। राजनीति शास्त्र के शिक्षक विध्यांचल शर्मा ने कहा कि जिन विषयों में प्रोजेक्ट वर्क होता है उसमें ऐसे प्रश्न चयनित करके देना चाहिए कि उसमें से अधिकांश प्रश्न वार्षिक परीक्षा में आये।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 04 जुलाई 2024



## संक्षिप्त समाचार

### शासकीय प्राथमिक शाला खट्टी में मनाया गया पढ़ई तिहार

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** पढ़ई तिहार के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला खट्टी में आज अंगना म शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें मुख्य अतिथि जानकी बाई ध्रुव,अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति थी स्मार्ट माता के रूप में धनेश्वरी साहू का चयन कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में अंगना म शिक्षा व पढ़ई तिहार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये प्रभारी प्रधान पाठक गिरीश शर्मा ने बताया कि राज्य शासन एवं स्कूल शिक्षा की यह बहुत ही अच्छी योजना है।अँगना म शिक्षा योजना छत्तीसगढ़ राज्य की योजना है।योजना का उद्देश्य छोटे बच्चों की माताओं को घर पर ही बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस आयोजन में ग्राम की माताओ ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा छुट्टियों एवं अन्य दिनों में किस तरह घर मे ही रहकर बच्चो को खेल खेल में अध्ययन अध्यापन से जोड़कर रखा जाए यह गतिविधि की गई।अंगना म शिक्षा के तहत माता उन्मुखीकरण आदि आयोजन समय समय पर किया जाता है उसी कड़ी में पढ़ई तिहार का आयोजन किया गया इसमें उपस्थित माताओं को अंगना म शिक्षा के महत्त्व से परिचित कराया गया तथा किस तरह से घर मे भी बच्चो को शिक्षा से जोड़कर रखा जा सकता है यह गतिविधि कराई गई।कार्यक्रम में उपस्थित माताओं ने अपने बच्चो से गतिविधि करा कर अंगना म शिक्षा नाम को साकार किया।कार्यक्रम का संचालन सहायक शिक्षक गिरीश शर्मा ने एवं आभार प्रदर्शन सहायक शिक्षक नारायण चंद्राकर ने किया,इस अवसर पर जानकी बाई ध्रुव,धनेश्वरी साहू,राधिका बाई,साधना चंद्राकर,सुमित्रा बाई ध्रुव,सरस्वती ध्रुव,डिगेश्वरी ध्रुव,दुर्गेश्वरी ध्रुव,दीपक ध्रुव,मानकी कमार,नारायण चंद्राकर,तामेश्वर यादव आदि उपस्थित थे।

### जिले के 87 नागरिकों का आधार से संबंधित समस्याओं का किया गया निराकरण

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** जिला कार्यालय में आज आधार समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के नागरिकों का आधार संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर पूर्व में प्राप्त आवेदनों एवं आधार सेंटरों में लंबित आधार समस्या संबंधी आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदकों को संपर्क कर बुलाया गया था। जिला कार्यालय में आयोजित शिविर में ई-जिला प्रबंधक मिथिलेश देवांगन की मौजूदगी में आधार रिजनल ऑफिस हैदराबाद के स्टेट रिप्रजेंटेटिव मैनेजर श्री अनित कुमार तिवारी एवं अस्सिटेंट मैनेजर श्री सौरभ के द्वारा उक्त आवेदकों के आवेदन का परीक्षण कर उनका समाधान एवं आधार नम्बर प्रदान किया गया। जिन आवेदनों में आधार नम्बर जनरेट नहीं हुआ था, उनका उचित मार्गदर्शन करते हुए समाधान बताया गया। ई-जिला प्रबंधक ने बताया कि जिले से 87 आधार संबंधी आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसका परीक्षण कर तत्काल समाधान किया गया। इनमें बायोमैक्ट्रिक मिसमैच- एक आवेदक का दूसरे आवेदक के आधार में उंगलियों का निशान, जन्म तिथि, नाम, पता, सरनेम, सुधार, आधार गुम जाने की स्थिति में आधार नंबर का पता नही होने सहित अन्य समस्याओं का निराकरण मौके पर किया गया।

### कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य विभाग की बैठक

**दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)।** विगत दिवस कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली गई। बैठक में उन्होंने मौजूद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को स्वास्थ्य केन्द्रों में बेहतर प्रबंधन के साथ-साथ ही ओपीडी बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पाया गया है कि बाह्य रोगियों को स्वास्थ्य केंद्र में देर तक प्रतिक्षा करना पड़ता है इसकी नौबत नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अंदरुनी क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र या उप स्वास्थ्य केंद्र में भी ओपीडी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर ने चितालंका आयुष्मान आरोग्य मंदिर को बन्द करने, ग्रामीण चिकित्सा सहायक, शत्रुहन सोनी को प्राथमिक स्वा. केन्द्र गदापाल ड्यूटी करने, कासोली ग्रामीण चिकित्सा सहायक को 01 दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार को कासोली एवं गुरूवार, शुकवार, शनिवार को को कोर्ट में ड्यूटी करने, जिस आरएमए, सीएचओ का मूल पद जहाँ है उनका पदस्थापना वहीं करने, भवन ऑफिस से हेण्ड ओवर लेकर आरएमए, सीएचओ को स्वीकृत करने, टेली मेडिसिन दुरुस्त करने, सभी स्वास्थ्य संस्था में टेलीमेडिसिन की बोर्ड, आई.सी. लगाने तथा निर्देश को स्थानीय भाषा में प्रचार-प्रसार करने, कटेकल्याण में एन्ट्री सुनिश्चित करने, एस्पिरेशनल ब्लॉक एस्पिरेशनल जिला के मिशन संपूर्ण करके नीति आयोग के निर्देशानुसार पैरामीटर से पूर्ण करने, गर्भवती माताओं को 100 प्रतिशत प्रथम तिमाही एन्ट्री, पूर्ण टीकाकरण सितंबर 2024 तक पूर्ण करने एवं कायाकल्प का एक्शन प्लान 2 बार बनाने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारियों को दिया।

# विहान योजना दे रही है महिलाओं को सशक्त आर्थिक आधार

## बेकरी दुकान से प्रतिक्षा ने बनाई नई पहचान

**दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)।** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के तहत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में महिला स्वावलंबन की नई-नई पहल की जा रही है और इससे जिले में सैकड़ों महिलाओं की जिन्दगी बदली है। इन कार्यक्षेत्रों में कदम रखकर जिले के महिलाओं ने अपने लिए सशक्त आर्थिक आधार बनाया है। इस कड़ी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना अन्तर्गत विकासखण्ड दन्तेवाड़ा के विभिन्न स्व-सहायता समूहों की 35 दीदीयों को बेकरी उत्पाद जैसे-केक, कुकीज, टोस्ट एवं फास्ट फूड बनाने का 07-07 दिवस का दो बार प्रशिक्षण भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान दंतेवाड़ा के द्वारा दिया गया था। इसी प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षित होकर ग्राम बालूद की झांसी महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य प्रतीक्षा जगत के द्वारा (पंचायत भवन बालूद के पास) बेकरी का उत्पाद की दुकान खोली गई। यद्यपि इसके पूर्व वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से ही किराना स्टोर, फैंसी दुकान का भी संचालन कर रही थी लेकिन कुछ नया करने चाह ने उन्हें बेकरी दुकान खोलने के लिए प्रेरित किया। इस संबंध में स्वयं प्रतिक्षा जगत ने बताया कि उन्होंने 22 जनवरी से बेकरी दुकान खोला और पति की सलाह पर पहले साधारण केक बनाना प्रारंभ किया। साथ ही और इसकी मांग बढ़ने पर वे केक के विभिन्न स्वाद जैसे चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी, कप केक, बटरस्कॉच, पाइनेपल, रसमलाई, वेलवेट केक भी बनाया जिसकी बिक्री बढ़ती गई। अब तो वे पेस्ट्री और टोस्ट भी बखूबी बना रही है। उनका यह भी कहना है कि शुरू से उन्हें पकाने और नये-नये व्यंजन बनाने का शौक था। इसी के चलते वे समोसा, पापड़, मुरकू, नमकीन का भी बिक्रय किया करती थी। परन्तु बेकरी उत्पाद निर्माण ने उनके सपनों को नई दिशा दी हैं और पिछले 6 महीनों में उन्हे केक बनाकर 50 हजार रूपये की आमदनी हुई। 12वीं तक शिक्षा प्राप्त प्रतीक्षा कहती है कि उनका सपना है कि वे एक सफल ''बिजनेस वूमेन'' बने। कुल मिलाकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान ने ग्रामीण महिलाओं को सपने देखने और उन्हें पूरा करने की आजादी दे दी है। जो ग्रामीण महिलाएं पहले मात्र भजिया, पकोड़े, बड़े बनाने में ही माहिर थी आज वे स्वादिष्ट केक बना कर एक नया मुकाम हासिल कर रही है। वैसे भी महिलाओं को पाककला में महारत हासिल होती ही हैं और प्रतिक्षा ने जिस उत्साह से इस क्षेत्र में कदम रखा है उनको निश्चित ही सफलता मिलेगी।

# बाढ़ एवं आपदा से बचाव के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाए : कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह

## जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

**बालोद(विश्व परिवार)।** कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने वर्तमान में वर्षा ऋतु के दौरान बाढ़ एवं आपदा से संबंधित किसी भी प्रकार की स्थिति उत्पन्न होने पर प्रभावितों के मदद और बाढ़ एवं आपदा से बचाव हेतु सभी तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी भी प्रकार की विषम स्थिति निर्मित होने पर प्रभावितों को तत्काल मदद उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर चन्द्रवाल आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने किसी भी स्थिति से निपटने हेतु पूर्व तैयारी करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक एडीशनल एसपी अशोक जोशी सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में चन्द्रवाल ने बाढ़ एवं आपदा से उत्पन्न किसी भी स्थिति से निपटने के तैयारियों के संबंध में विभागवार समीक्षा की। उन्होंने जिले के सभी राजस्व मण्डलों में अनिवार्य रूप से वर्षा मापक यंत्र ठीक-ठाक हालत में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला सेनानी नगर सेना से बाढ़ एवं आपदा के बचाव के तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिला सेनानी नगर सेना से जिले में उपलब्ध बोट एवं कुशल तैराक आदि के संबंध में भी जानकारी ली तथा इसकी समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिला खाद्य अधिकारी से जिले में खाद्यानों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए इस दौरान समुचित मात्रा में खाद्यान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान आम जनता को शुद्ध, ताजा एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु स्वास्थ्य, खाद्य तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त दल गठित कर हॉटल, ढाबों आदि का नियमित रूप से जाँच कराने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को वर्षा ऋतु के दौरान शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा सभी पेयजल स्त्रोतों का क्लोरीनेशन आदि कार्य कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों को जर्जर घरों को डिस्मेंटल कराने तथा अत्यंत गरीब लोगों के लिए आवास एवं खाने-पीने की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।

# केशकाल के स्वास्थ्य शिविर में उमड़ा जन सैलाब

**कोण्डागांव(विश्व परिवार)।** तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विकासखण्ड केशकाल के शासकीय कन्या शाला केशकाल में आज संपन्न हुआ। जीवनदीप समिति केशकाल के तत्वधान में कराये गए रहे मेगा हेल्थ कैंप में 30 से भी अधिक प्रतिष्ठित अनुभवशील डाक्टरों की टीम मौजूद रहे। इस शिविर का लाभ जिले में पांचो विकासखण्ड को मिला। शिविर में आने वाले लाभार्थियो का डाक्टरों की टीम के द्वारा जांच किया गया। साथ ही गंभीर बीमारीयों से ग्रस्त लोगो का पंजीयन उच्च संस्था में रिफर हेतु किया गया। इस शिविर में जिला अस्पताल कोण्डागांव के अतिरिक्त जिला अस्पताल एंव मेडिकल कॉलेज कांकेर, जगदलपुर, धमतरी के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त प्राइवेट संस्था से एम.एम. आई. एवं मित्तल अस्पताल रायपुर के विशेषज्ञ शिविर में अपना योगदान दे रहे थे। विकासखण्ड केशकाल के खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी. के. बिसेन के अनुसार दिनांक 29 जून से 01 जुलाई 2024 तक चलने वाले इस शिविर में दिव्यांगजनो को दिव्यांग प्रमाण पत्र तथा बैशाखी, ट्राई साइकिल एवं स्वचालित बैटरी सायकल का वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में आये हितग्राहियों का चिकित्सीय सुविधा के अतिरिक्त राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड निर्माण किया गया। आवश्यकतानुसार असाध्य रोगों से ग्रसित लाभार्थि का लैब जांच किया गया।

# सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने दिए दिशा निर्देश

**दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)।** आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। जिला सड़क सुरक्षा योजना विकसित करना, ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन व सुधार कार्य एवं सभी मुख्य मार्गों में यातायात संबंधित निर्देशात्मक, आदेशात्मक तथा सूचनात्मक बोर्ड, सड़क चौड़ीकरण व सड़क पर विभिन्न सुधार, स्कूल एवं कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान व स्कूल बसों की चेकिंग, स्कूल, कॉलेज के नाबालिग छात्र छात्राओं के वाहन चालन के संबंध मे, सड़क दुर्घटना के उपचार के लिए प्राथमिक चिकित्सा सेवा, शहरी क्षेत्रों में आम नागरिकों की सुविधा हेतु यात्री बस स्टैंड एवं ऑटो स्टैंड, नगर पालिका, नगर पंचायत में मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे संचालित दुकानों, ठेलों का अतिक्रमण पर कार्यवाही व रोड में आवारा पशुओं पर रोकने एवं आवारा पशुओं को कांजी हाउस में रखने, की जगह निर्धारित करने के संबंध में नो एंट्री जोन में वाहनों के आवाजाही पर रोक के संबंध में कलेक्टर द्वारा दिशा निर्देश दिए गये। बैठक में मोटर यान अधिनियम 1988 के उल्लंघन पर कार्यवाही के संबंध में जानकारियां प्रस्तुत की गई सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में किये गये महत्वपूर्ण सुधार कार्य। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, जिला परिवहन अधिकारी गौरव पाटले सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

# पदोन्नति एवं स्थायीकरण की प्रक्रिया निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें : कलेक्टर

## जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

**कांकेर(विश्व परिवार)।** कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। बैठक में सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी मांगें कलेक्टर के समक्ष रखीं और सुझाव भी सामने आए। कलेक्टर ने कहा कि इनमें से कुछ मांगों का जिला स्तर पर निराकरण हो सकता है और कुछ विषय का निराकरण किया जाना शासन स्तर पर संभव है, जिसके लिए उच्च कार्यालय से पत्राचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी शासकीय सेवक हैं और सबकी समस्याओं एवं मांगों को ध्यान में करते हुए आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि वे पदोन्नति, समयमान वेतनमान, स्थायीकरण से संबंधित प्रक्रियाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें। इसके अलावा पेंशन एवं अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों पर भी त्वरित कार्यवाही की बात कही। उन्होंने विभिन्न संगठनों से प्राप्त मांगों पर कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में पदोन्नति की लंबित प्रकरणों, लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए कौशल प्रशिक्षण, सभी कार्यालयों में टेबल रोटेशन, वरिष्ठता के आधार पर शाखा आबंटन, जिला स्तर के अलावा विकासखण्ड स्तर पर भी परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन, पेंशन प्रकरणों के निराकरण, सेवा पुस्तिका के नियमित संधारण, शासकीय आवासों के आबंटन एवं रख-रखाव सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई।

# पोस्ट ऑफद मंथ के विजेता शिक्षकों को कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने किया सम्मानित

**दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)।** जिले में संचालित आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में पोस्ट ऑफ द मंथ अप्रैल और मई के जिला स्तर के विजेता रहे शिक्षकों को कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा प्रमाणपत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में शैक्षणिक उन्नयन के उद्देश्य हेतु आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है। आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम के अंतर्गत विनोबा ऐप यह ओपन लिंक्स फाउंडेशन की एक अभिनव पहल है, विनोबा ऐप शिक्षक समुदाय के लिए एक ऐसा मंच है जहां शिक्षकों के कार्यों की पहचान और सराहना होती है, यहाँ शिक्षक एक दुसरे के साथ कनेक्ट होते है, साथ ही विद्यालयीन गतिविधियों को एक दूसरे के साथ साझा करते है, शिक्षकों को प्रेरणा मिलती है। इस में मुख्य रूप से शिक्षा में नवाचार, शिक्षकों के कार्य सरल करने के लिए, शैक्षणिक गतिविधियां सभी से साझा करने के लिए शेयर एंड लर्न, तथा शिक्षकों के नवनवीन उपक्रम ,टीएलएम और शिक्षकों को शैक्षणिक सहायता तथा मार्गदर्शन मिलने के लिए विनोबा ऐप सहायक है। यह हर महीने शिक्षकों के द्वारा पोस्ट किए गए उनके कार्य गतिविधियों को इस कार्यक्रम के माध्यम से पहचान कर शिक्षकों को उनके अच्छे कार्य के लिए ''पोस्ट ऑफ द मंथ'' अवार्ड जिला स्तर पर पांच शिक्षकों को दिया जाता है। इस कड़ी में पिछले महीने अप्रैल और मई के ''पोस्ट ऑफ द मंथ'' के जिला स्तर के विजेता रहें शिक्षिका शिल्पा चव्हाण (प्राथमिक शाला सोनारापारा, गीदम) लक्ष्मी पुरांडे-(प्राथमिक शाला कदमपाल कुआकोंडा), और इसी के साथ मई महीने के विजेता रवि कुमार सुराना (माध्यमिक शाला बडेसूरोखी,) मनीषा सोनी (पटेल पारा हारम) और सुनीता अजीथ-(बालक प्राथमिक शाला गीदम) आज सम्मानित हुए। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्व रंजन, जिला शिक्षा अधिकारी,एस के अंबस्ता, विनोबा टीम की ओर से जिला सहयोग अधिकारी सागर गजभिये आदि के साथ अन्य विभागों के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

### जिला चिकित्सालय कोंडागांव राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत राष्ट्रीय स्तर पर हुआ सम्मानित

**कोंडागांव(विश्व परिवार)।** जिला अस्पताल कोंडागांव को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित किया गया। 28 जून को नयी दिल्ली मे स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया की अध्यक्षता मे आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय कोंडागांव का मूल्यांकन दिसंबर 2023 मे राष्ट्रीय दल द्वारा लगातार 3 दिनों तक किया गया था उक्त मूल्यांकन में अस्पताल के 17 विभाग गुणवत्ता के विभिन्न पैमानों मे खरे पाए गए थे। अस्पताल को कुल 91 प्रतिशत अंक प्राप्त हुये थे। यहाँ उल्लेखनीय यह रहा की नयी दिल्ली की नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर टीम द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य मे एनक्यूएएस सेर्टिफाइड 14 जिला अस्पतालों मे से सिर्फ कोंडागांव जिला अस्पताल को ही चयनित किया गया। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने जिला अस्पताल को सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अस्पताल प्रबंधन को बधाई दी और जनता को निरंतर बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने हेतु निष्ठा एवं लगन के साथ कार्य करने हेतु जिला प्रशासन की ओर से निरंतर सहयोग प्रदान करने की बात कही।

# पुर्तगाल ने स्लोवेनिया को हराकर यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में मारी एंट्री

**फ्रैंकफर्ट( एजेंसी )।** क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया को हराकर पुर्तगाल को यूरो 2024 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। पुर्तगाल ने सोमवार को यूरो 2024 में पेनल्टी शूटआउट से स्लोवेनिया को 3-0 से हराया। यह एक रोमांचक मुकाबला रहा। इस मुकाबले में निर्धारित समय में दोनों टीम गोल नहीं कर पाई, इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी स्कोर 0-0 रहा। हालांकि, रोनाल्डो के पास एक बड़ा मौका था लेकिन वो पेनल्टी चूक गए। इसके बाद यह स्टार खिलाड़ी काफी निराश नजर आया। लेकिन शूटआउट में उन्होंने पहला पेनल्टी स्कोर कर टीम को मजबूत शुरुआत दी। वहीं, पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने लगातार तीन गोल बचाए, जिससे



पुर्तगाल ने स्लोवेनिया पर 3-0 से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पुर्तगाल का सामना अगले दौर में टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम फ्रांस से होगा, जिसने सोमवार को बेल्जियम को 1-0 से हराया था। कोस्टा, इस रोमांचक मुकाबले में पुर्तगाल के लिए हीरो रहे। उन्होंने जोसिप इलिसिक, जुरे बाल्कोवेक और बेंजामिन वर्बिक की लगातार तीन पेनल्टी शॉट बचाई। इस बीच, उनके साथी रोनाल्डो, ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नार्डो सिल्वा ने पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे पुर्तगाल की 3-0 से जीत सुनिश्चित हुई और क्वार्टर फाइनल में जगह बनी। 24 वर्षीय कोस्टा ने मैच के बाद कहा, यह मेरे करियर का अब तक का सबसे अच्छा मैच हो सकता है। मैंने मैदान पर अपना बेस्ट दिया है। मैंने पेनल्टी शूटआउट के दौरान खुद पर भरोसा रखा। रिपोर्ट के अनुसार, पेनल्टी शूटआउट में अपने शानदार प्रदर्शन के अलावा, कोस्टा ने एक्स्ट्रा टाइम के अंतिम चरण में एक महत्वपूर्ण बचाव किया था। पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कोस्टा की प्रशंसा करते हुए कहा, कोस्टा हमारा सीक्रेट हथियार है। उसने इस रोमांचक मुकाबले में अपनी ताकत दिखाई। कोस्टा के शानदार प्रदर्शन से पहले, कप्तान रोनाल्डो के पास विजयी गोल करने का मौका था, लेकिन स्लोवेनियाई गोलकीपर ने उनके पेनल्टी को बचा लिया। पेनल्टी चूकने के बाद, भावुक रोनाल्डो को टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ ने सांत्वना दी। जबकि पुर्तगाली प्रशंसकों ने 39 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी का समर्थन करने के लिए विवा रोनाल्डो का नारा लगाया। रोनाल्डो ने मैच के बाद के कहा, इस मैच ने मुझे दुखी होने के साथ खुश होने का मौका भी दिया। यह फुटबॉल है। आप इसे समझ नहीं सकते, मेरे पास मैच को तय करने का मौका था, लेकिन मैं चूक गया इसलिए मैं काफी भावुक हो गया था। हालांकि, अपने आंसू पोंछते हुए रोनाल्डो ने खेलना जारी रखा और पेनल्टी शूटआउट में पहले स्थान पर आकर भरपूर आत्मविश्वास के साथ पेनल्टी को गोल में तब्दील किया।

## व्यापार समाचार

# इस हफ्ते खुलेंगे 2,700 करोड़ रुपये के आईपीओ, दो कंपनियों की लिस्टिंग

**मुंबई ( एजेंसी )।** आईपीओ बाजार में तेजी बनी हुई है। एक के बाद एक कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इस हफ्ते मेनबोर्ड कैटेगरी में एमक्योर फार्मास्युटिकल्स और बंसल वायर इंडस्ट्रीज का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आ रहा है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 जुलाई को आम जनता के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 1,952 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह आईपीओ फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण होगा। इस आईपीओ में 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 1,152 करोड़ रुपये ओएफएस होगा। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई तक नाम निवेशकों के लिए खुलेगा। इसका प्राइस बैंड 960 रुपये से लेकर 1,008 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इसका लॉट साइज 14 शेयरों का तय किया गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हो सकती है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स, शार्क टैंक में जज रह चुकीं नमिता थापर से जुड़ी कंपनी है। कंपनी को 1981 में स्थापित किया गया था। कंपनी फार्मा सेक्टर में कार्य करती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज का भी आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई के बीच खुलेगा। इस आईपीओ का इश्यू साइज 745 करोड़ रुपये का होगा। यह पूरा आईपीओ फ्रेश इश्यू होने वाला है। इसमें 2.91 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इसका लॉट साइज 58 शेयरों का रखा गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंज पर हो सकती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज एक स्टेनलेस स्टील कंपनी है। इसकी स्थापना 1985 में हुई थी। कंपनी हाई कार्बन स्टील वायर, लो कार्बन स्टील वायर और स्टेनलेस स्टील वायर सेगमेंट में कार्य करती है। कंपनी करीब 3,000 अलग-अलग तरह के स्टील वायर बनाती है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की आय 2,470 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान कंपनी को 78.80 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मेनबोर्ड कैटेगरी में एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड और व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड के आईपीओ की लिस्टिंग इस हफ्ते बीएसई और एनएसई पर होगी।

# तकरीबन 60 फीसदी एमएसएमई 2025 तक अपने कारोबार को डिजिटलीकृत करने की योजना बना रहे हैं, 'वी बिज़नेस रैडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी , वॉल्युम 2.0 2024 ने बताया

**नईदिल्ली।** सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो देश के जीडीपी में तकरीबन 30 फीसदी योगदान देते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार एमएसएमई 2027 तक जीडीपी में 35-40 फीसदी योगदान देंगे। ऐसे में ज़रूरी है कि एमएमएसई अपनी विकास की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए डिजिटल रूपान्तरण को अपनाएं ताकि वे 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। डिजिटल रूपान्तरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार कई नीतियां एवं पहलें लेकर आई है जैसे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, उद्यम पोर्टल, उद्यमी मित्रा आदि जो एमएसएमई सेक्टर की उत्पादकता बढ़ाने, इनके संचालन को सुगम बनाने और समग्र प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में कारगर हो रही हैं। भारत सरकार के विकास एजेंडा के साझेदार के रूप में जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी की एंटरप्राइज़ शाखा वी बिज़नेस ने विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर राष्ट्रव्यापी अध्ययन 'वी बिज़नेस रैडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी (वॉल्युम 2.0 2024) के परिणाम जारी किए हैं। यह व्यापक अध्ययन 16 सेक्टरों- आईटी एवं आईटीईएस, फाइनैंशियल सर्विसेज़, परिवहन, निर्माण, रीटेल, कृषि, मीडिया एवं एंटरटेनमेन्ट, मैनुफैक्चरिंग आदि में एमएमएसई की डिजिटल परिपक्वता पर रोशनी डालता है और बताता है कि वे किस तरह अपने संचालन में डिजिटलीकरण और टेक्नोलॉजी को अपना रहे हैं। इसके अलावा वी बिज़नेस ने बेहतर डिजिटल असेसमेन्ट टूल को हिंदी और अग्रेज़ी दोनों में लॉन्च किया हे, जो उनके समर्पित एमएसएमई प्रोग्राम रुरैडी फॉर नेक्स्ट का विस्तार है। यह मूल्यांकन तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करता है- डिजिटल कस्टमर, डिजिटल वर्कस्पेस और डिजिटल बिज़नेस। प्रतिक्रिया के आधार पर यह टूल यूज़र विशिष्ट रिपोर्ट देता है।

# कलर्स का नया शो 'मिश्री' रिश्तों की मिठास और अपरंपरागत रिश्ते को सेलिब्रेट करता है

**नईदिल्ली।** 'रिश्ते वक्त से नहीं दिल से बनते हैं।' वो पुराने दिन कितने अच्छे थे जब रिश्तों को दिल से निभाया जाता था और खून के रिश्तों से परे खुशी मिलती थी। आज के दौर में जहां रिश्ते कमज़ोर हो गए हैं, कलर्स 'मिश्री' को लॉन्च करने के लिए तैयार है, ऐसी कहानी जो 'रिश्तों की मिठास' को वापस लाती है। जब हालात खलनायक की भूमिका निभाते हैं, तब मिश्री, वाणी और राघव की ज़िंदगी आपस में जुड़ जाती है क्योंकि वे एक-दूसरे का चुना गया परिवार और भावनात्मक सहारा बन जाते हैं। अपने सपनों से प्रेरित होकर, वे ज़िंदगी की मुश्किलों का सामना करते हैं, क्योंकि उन्होंने सबसे बड़ा जैकपॉट जीता है: एक-दूसरे का साथ। अक्सर स्वार्थ से भरी दुनिया में, एक-दूसरे का निस्वार्थ सम्मान करना बिना किसी संदेह के साबित करता है कि रिश्ते हालातों से बड़े होते हैं। मथुरा के पास गंगापुर में रहने वाली, मिश्री को ज़िंदा तालिस्मान माना जाता है, जो जिस भी अवसर पर जाती है, वह सौभाग्यशाली हो जाता है। हालांकि, उसकी खुद की ज़िंदगी चुनौतियों से भरी हुई है क्योंकि वह अपनी 'किस्मत की लकीरों' से लड़ती है। मिश्री की षडयंत्रकारी आंटी उसे उसके अधेड़ उम्र के अंकल से शादी करने के लिए मजबूर करती है, लेकिन राघव अप्रत्याशित रूप से उसे बचा लेता है, और बिना मर्ज़ी के उससे शादी कर लेता है, लेकिन राघव वाणी से प्यार करता है। राघव के प्रति कृतज्ञता और ऐसा परिवार पाने की चाहत से प्रेरित जिसे वह अपना कह सके। मिश्री राघव से अपनी शादी का रहस्य बरकरार रखती है, और वह वाणी को अपनी सौतन के रूप में नहीं, बल्कि ऐसी बहन के रूप में अपनाती है, जो उसकी किस्मत में नहीं लिखी थी।

# बहुभाषी उत्कृष्टता का जश्न : एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप 2024-25 के विजेताओं की घोषणा

**नईदिल्ली।** न्यू इंडिया फाउंडेशन (एनआईएफ) ने एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप 2024-25 के राउंड 2 के विजेताओं की घोषणा की है। सभी 10 भारतीय भाषाओं (असमी, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मराठी, मलयालम, ओडिया, तमिल, उर्दू) के महत्वपूर्ण नॉन-फक्शिन काम को अंग्रेजी में ट्रांसलेशन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के साथ, एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप देश के विविध साहित्यिक परंपराओं में ज्ञान ग्रंथों के समृद्ध इतिहास को प्रदर्शित करती है। प्रत्येक विजेता को 6 महीने तक 6 लाख रुपए का स्टाइपेंड दिया जाएगा, ट्रांसलेशन फेलोशिप में 1850 के बाद प्रकाशित भारतीय भाषाओं के ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद किया जाएगा। विजेताओं को संपादकीय और वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ ही एनआईएफ के ट्रस्टी और प्रतिष्ठित द्विभाषी विद्वान और लेखकों वाली भाषा विशेषज्ञ समिति के साथ काम करने का अवसर भी मिलेगा। एनआईएफ का उद्देश्य अनुवादित पुस्तकों के माध्यम से समकालीन भारत के इतिहास के बारे में ज्ञान का समर्थन करने के अपने मिशन को आगे बढ़ाना है। पिछले दो दशकों के दौरान एनआईएफ बुक फेलोशिप कार्यक्रम में 33 किताबों का प्रकाशन किया जा चुका है। एनआईएफ बुक और एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप हर साल अल्टरनेट रूप से आयोजित की जाती है, इसके लिए हर साल अगस्त और दिसंबर के बीच आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप के राउंड 2 पर बोलते हुए, श्रीनाथ राघवन, चेयरपर्सन, एनआईएफ फेलोशिप ने कहा, ट्रांसलेशन फेलोशिप के पीछे का आइडिया भारतीय भाषाओं में भारत के बारे में लिखे गए नॉन-फिक्शन प्रमुख ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद करना, और इन महत्वपूर्ण ग्रंथों को अधिक व्यापक पाठकों तक पहुंचाना है।

# संन्यास के बाद जेम्स एंडरसन बनेंगे इंग्लिश टीम के गेंदबाजी मेंटर

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** इंग्लैंड क्रिकेट टीम के दिग्गज गेंदबाज जेम्स एंडरसन वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ 10 जुलाई से शुरू होने वाले लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। वह पहले ही ये ऐलान कर चुके हैं।इस बीच खबर ये है कि एंडरसन संन्यास के बाद इंग्लिश टीम के साथ मेंटर के रूप में जुड़ेंगे। वह इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी के गुर सिखाएंगे। इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब की ने कहा, लॉर्ड्स टेस्ट के बाद जिमी हमारे साथ बने रहेंगे और एक मेंटर के रूप में हमारी मदद करेंगे। उनके पास इंग्लिश क्रिकेट को देने के लिए बहुत कुछ है।



हम नहीं चाहते कि यह खत्म हो जाए। उनके पास बहुत सारे विकल्प होंगे। अगर वे खेल में बने रहना चुनते हैं तो इंग्लिश क्रिकेट बहुत भाग्यशाली होगा। एंडरसन इस समय काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के खिलाफ लंकाशायर के लिए खेल रहे हैं, लेकिन उनका प्रथम श्रेणी का भविष्य अनिश्चित है।रॉब की ने कहा, लंकाशायर के साथ उनका क्या भविष्य रहेगा, यह शायद लॉर्ड्स टेस्ट के बाद पता चलेगा।बता दें कि वह अपने प्रथम श्रेणी करियर में अब तक 1,100 से अधिक विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इस दिग्गज गेंदबाज ने साल 2002 में अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट की शुरुआत की थी। एंडरसन ने 2003 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था।वह अब तक 187 टेस्ट की 348 पारियों में 26.52 की औसत से 700 विकेट चटका चुके हैं। उन्होंने 32 बार 5 विकेट हॉल और 3 बार मैच में 10 विकेट हॉल लिए हैं।

# पूर्व मध्य रेलवे ने रिकॉर्ड 51.61 मिलियन टन का किया लदान, पहले स्थान पर धनबाद मंडल

**हाजीपुर( एजेंसी )।** पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून तक) में रिकॉर्ड 51.61 मिलियन टन का माल लदान किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में किए गए माल लदान 48.18 मिलियन टन की तुलना में 7.12 प्रतिशत अधिक है। पूर्व मध्य रेलवे 51.61 मिलियन टन माल लदान (लोडिंग) के साथ भारतीय रेल के सभी क्षेत्रीय रेलों में प्रथम तिमाही में किए गए माल लदान के मामले में चौथे स्थान पर रहा। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि प्रथम तिमाही में गेहूं एवं मक्के की लोडिंग के मामले में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल से जून तक गेहूं की 37 रेक लोड की गई जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में लोड किए गए 15 रेक की तुलना में



146.67 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह अप्रैल से जून 2024 तक मक्के की 317 रेक लोड की गई जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में लोड किए गए 152 रेक की तुलना में 109 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि पूर्व मध्य रेलवे को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में किए गए माल ढुलाई से कुल 6,789.98 करोड़ रुपये की प्रारंभिक आय प्राप्त हुई है। यह आय पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में माल ढुलाई से प्राप्त प्रारंभिक आय 6,353.05 करोड़ रुपये की तुलना में 6.88 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान धनबाद मंडल का लदान क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा। धनबाद मंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में रिकॉर्ड 48.71 मिलियन टन का लदान किया गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में किए गए लदान 46.03 मिलियन टन की तुलना में 5.82 प्रतिशत अधिक है। धनबाद मंडल को प्रथम तिमाही में किए गए माल ढुलाई से कुल 6,777.31 करोड़ रुपये की प्रारंभिक आय प्राप्त हुई है। यह आय पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में माल ढुलाई से प्राप्त प्रारंभिक आय 6,463.30 करोड़ रुपये की तुलना में 4.86 प्रतिशत अधिक है। माल लदान के साथ धनबाद मंडल भारतीय रेल के सभी मंडलों में प्रथम तिमाही में किए गए माल लदान के मामले में प्रथम स्थान पर रहा।

# सैमसंग ने गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले फोल्डेबल स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग शुरू की

**गुरुग्राम:** भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्राण्ड सैमसंग ने अब अपने उपभोक्ताओं के लिए गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले फोल्डेबल स्मार्टफोन्स की प्री-बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। इस तरह उपभोक्ताओं को खास ऑफर्स के साथ यह स्मार्टफोन जल्दी मिल सकेंगे। ग्राहक Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और भारत में अग्रणी रिटेल दुकानों पर 2000 रूपये की टोकन राशि देकर गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले स्मार्टफोन्स को प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को इन उत्पादों की खरीदी पर 7000 रूपये तक के फायदे भी मिलेंगे। सैमसंग ने हाल ही में यह घोषणा की थी कि वह 10 जुलाई को अपने ग्लोबल इवेंट में नेक्स्ट जनरेशन के गैलेक्सी जेड सीरीज स्मार्टफोन्स एवं इकोसिस्टम डिवाइसेस लॉन्च करेगा। अपने एक वक्तव्य में सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन पेरिस में होगा। वहां संस्कृतियों का प्रसिद्ध संगम- बिन्दु और प्रचलनों का केन्द्र हमारे नये एवं अत्याधुनिक नवाचारों की पेशकश का सबसे बढ़िया परिदृश्य देगा। कंपनी ने आगे कहा कि, ''गैलेक्सी एआई का अगला मोर्चा खुल रहा है।

# इफको के नैनो उर्वरक संवर्धन महाअभियान की शुरुआत

**नई दिल्ली।** नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नैनो उर्वरक उपयोग संवर्धन महाअभियान की शुरुआत. इफ्को द्वारा की गई है। इसके अंतर्गत इफ्को द्वारा 200 मॉडल नैनो ग्राम समूह (क्लस्टर) चयनित किए गए हैं। इसके माध्यम से 800 गाँवों के किसानों को इफ्को द्वारा नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी एवं सागरिका के मूल्य पर 25 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है ताकि किसान अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का अधिक से अधिक प्रयोग कर सकें। इसके साथ ही इफ्को द्वारा ड्रोन उद्यमी को 100 रुपए प्रति एकड़ की दर से अनुदान दिया जाएगा जिससे किसानों को कम दरों पर छिड़काव की सुविधा प्राप्त हो सके। इन मॉडल नैनो गाँवों में जो फसल होगी उसकी गुणवत्ता एवं उत्पादन की वृद्धि का आंकलन कर किसानों को अवगत कराया जाएगा। नैनो उर्वरकों का खेती में प्रयोग बढ़ाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी 100 दिवसीय कार्य योजना की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत 413 जिलों में नैनो डीएपी (तरल) के 1270 प्रदर्शन एवं 100 जिलो में नैनो यूरिया प्लस (तरल) के 200 परीक्षण किये जाएंगे। इन परीक्षणों में कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की मदद ली जाएगी और भारत सरकार द्वारा भी इसकी निगरानी की जाएगी। इफ्को द्वारा नैनो उर्वरकों को सहकारी समिति एवं अन्य बिक्री केंद्र तक उपलब्ध कराया जाएगा। नैनो उर्वरकों के लाभ के बारे में किसानों को बताया जाएगा। नैनो उर्वरकों के छिड़काव हेतु इफ्को द्वारा 2500 कृषि ड्रोन किसानों के लिए उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिसके लिए 300 'नमो ड्रोन दीदी' तथा ड्रोन उद्यमी तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार के स्प्रेयर भी उपलब्ध कराये गये हैं जिनके माध्यम से किसान आसानी से अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का छिड़काव कर सकेंगे। 245 लाख एकड़ क्षेत्र पर ड्रोन द्वारा स्प्रे करने के लिए 15 संस्थाओं से अनुबंध किया गया है जो किसानों के खेतों में छिड़काव करेंगे। प्रत्येक स्प्रे पर 100 रुपए प्रति एकड़ का इंसेंटिव भी प्रदान किया जाएगा। अगस्त 2021 से 26 जून 2024 तक इफ्को द्वारा उत्पादित कुल 7.55 करोड़ नैनो यूरिया एवं 0.69 करोड़ नैनो डीएपी की बोतलों का उपयोग किसानों द्वारा किया जा चुका है। किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने हेतु इफ्को द्वारा वर्ष 2024-25 में 4 करोड़ नैनो यूरिया प्लस एवं 2 करोड़ नैनो डीएपी बोतलों के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में अप्रैल 2024 से इफ्को द्वारा किसानों को अधिक सांद्रता वाला नैनो यूरिया प्लस (तरल) 20त 2/1 उपलब्ध कराया गया है, जिससे गुणवत्तापूर्ण फसल उत्पादकता बढ़ाने एवं पर्यावरण सुरक्षा में मदद मिलेगी। इस महाअभियान के अंतर्गत इफ्को द्वारा देश के समस्त जिलों में प्रचार-प्रसार, क्षेत्र-परीक्षण, सहकारी समितियों के सचिवों के प्रशिक्षण आदि की योजना भी बनाई गई है। इस योजना को लागू करने हेतु उर्वरक मंत्रालय द्वारा भी सहयोग किया जायेगा ताकि खेतों में रासायनिक उर्वरकों की जगह नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा मिल सके। इस महाअभियान के अंतर्गत नैनो उर्वरकों की 6 करोड़ बोतलें उपलब्ध कराने की योजना बनाई गयी है जिसका वितरण इफ्को की 36000 सदस्य सहकारी समितियों एवं अन्य सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा।

यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि नैनो उर्वरकों की उपलब्धता प्रत्येक प्रधान मंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (क्र्ब्यस्य) पर हो सके। इफ्को द्वारा इंडियन पोटाश लिमिटेड , फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर , ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड , राष्ट्रीय केमिकल्स एवं फर्टिलाइजर्स लिमिटेड , नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (ह्स्नरु) आदि संस्थानों के साथ विपणन करार कर किसानों को नैनो उर्वरक उपलब्ध कराये जा रहे हैं। अगस्त 2021 में इफ्को ने नैनो तकनीक आधारित विश्व के पहले स्वदेशी नैनो यूरिया का व्यावसायिक उत्पादन कर पूरे विश्व को पारंपरिक यूरिया का एक बेहतरीन विकल्प दिया है। मार्च 2023 में इफ्को द्वारा डीएपी उर्वरक के प्रयोग को कम करने के लिए नैनो डीएपी (तरल) को भी किसानों को उपलब्ध कराया है। विश्व भर में पर्यावरण असंतुलन की बढ़ती गंभीर समस्या को देखते हुए नैनो उर्वरकों द्वारा खेती में पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग में कमी लाने की आवश्यकता है।

दैनिक
# विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 04 जुलाई 2024

## मुख्यमंत्री निवास में आज विष्णुदेव साय का दूसरा जनदर्शन

**रायपुर (विसं)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का दूसरा जनदर्शन गुरुवार 4 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री साय प्रदेश भर से आए नागरिकों से सीधे संवाद करेंगे एवं उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन भी लेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह से मुख्यमंत्री निवास में जनदर्शन का आयोजन आरंभ हुआ है। इसमें बड़ी संख्या में नागरिक गणों ने हिस्सा लिया, और मुख्यमंत्री को अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन भी सौंपे।



## संक्षिप्त समाचार

### राज्यपाल से श्री जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट धमतरी के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में श्री जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट धमतरी के अध्यक्ष श्री किरण कुमार गांधी के नेतृत्व में ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। ट्रस्ट की ओर से राज्यपाल को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया और 106 वां रथयात्रा महोत्सव में शामिल होने के लिए उन्हें आमंत्रण दिया। इस अवसर पर सर्वगुजराती समाज के प्रदेशाध्यक्ष श्री प्रीतेश गांधी, मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री लखम सिंह भानुशाली, सहसचिव श्री मोहन अग्रवाल, श्री भरत सोनी उपस्थित थे।

### ट्रेन नंबर 08383/08384 रायपुर-पुरी-रायपुर के मध्य अनारक्षित रथ यात्रा पैसेंजर स्पेशल का परिचालन

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** रथ यात्रा के दौरान ट्रेनों में होने वाली अतिरिक्त भीड़भाड़ को कम करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए रायपुर एवं पुरी के मध्य 02 फेरों के लिए अनारक्षित रथ यात्रा स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। यह ट्रेन रायपुर से 08383 नंबर के साथ दिनांक 06 एवं 14 जुलाई 2024 को प्रात: 06.00 बजे रवाना होकर रात्रि 23.00 पुरी पहुंचेगी। इसी प्रकार पुरी से 08384 नंबर के साथ दिनांक 08 एवं 16 जुलाई 2024 को मध्य रात्रि 02.45 बजे रवाना होकर 16.00 बजे रायपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 कोच के साथ चलेगी। इस ट्रेन के कामर्शियल स्टापेज रायपुर, मंदिर हसौद, महासमुंद, बागबहरा, खरीयार रोड, नवापारा रोड, हरीशंकर रोड, कांटाभंजी, मूरी बहल, टीटलागढ़, केसिंगा, रुप्रा रोड, नरला रोड, लांजीगढ़ रोड, अंबाडोला, मुनिगुडा, बिसम कटक, थेरुबाली, सिंगारपुर रोड, रायगड़ा, पार्वतीपुरम टाउन, पार्वतीपुरम, बोब्बिली, विजयनगरम, चिपुरुपली, सिगदम, पोंडुरु, श्रीकाकुलम रोड, तिलारु, कोटाबोमली, नौपाड़ा, पलासा, मंडासा, सोमपेटा, इच्छापुरम, ब्रहमपुर, छतरपुर, गंजम, खालिकोट्टी, बालुगाओं, कालुपाराघाट, निराकारपुर, काइपादर रोड, अरगुल एवं हरिपुरग्राम व पुरी के मध्य सभी स्टेशनो पर दिये गए हैं।

**रायपुर एवं पुरी के मध्य 02 फेरों के लिए अनारक्षित रथ यात्रा स्पेशल ट्रेन की सुविधा**

## मुख्यमंत्री साय की संवेदनशीलता से एक सप्ताह के भीतर 5 वर्षीय नूतन की आंख का हुआ इलाज

**डॉक्टरों की सलाह पर लगाई गई पत्थर की आंख, क्षतिग्रस्त आंख में इंप्लांट नहीं हो सकता**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशीलता से पांच वर्षीय नूतन ठाकुर की आंख का इलाज एक सप्ताह के भीतर हो गया है। नूतन की आंख में खेल-खेल में चोट लग गई थी जिससे उसका रेटिना खराब हो गया था। उसके पिता श्री काशी ठाकुर मुख्यमंत्री निवास में 27 जून को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के पास पहुंचे और उनसे नूतन की आंख का इलाज करने के लिए सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अधिकारियों को नूतन का बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए ।

श्री काशी ठाकुर आज अपनी बेटी को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने नूतन को दुलार, नाम पूछा और नूतन को अपना आशीर्वाद प्रदान किए। उन्होंने नूतन से कहा अच्छे से पढ़ाई करना। नूतन ने मुख्यमंत्री को बाल सुलभ सहजता के साथ गुलाब का फूल भेंट किया। श्री काशी ठाकुर भी बेटी के इलाज के लिए मिली त्वरित सहायता के लिए मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते नहीं थकते।

गौरतलब है कि नूतन के पिता दुर्ग के बोरसीभाटा में रहते हैं, वे माली का काम करते हैं। नूतन का इलाज दुर्गा के शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज में चल रहा था । आंख की स्थिति देखकर डॉक्टरों ने बताया की आंख में कोई इंप्लांट नहीं हो सकता, इसलिए नकली आंख लगानी पड़ेगी। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर सरकारी खर्च पर नूतन की दाई आंख में पत्थर की आंख लगाइए गई है। नूतन के इलाज के लिए दुर्ग सीएमएचओ द्वारा 25000 रुपए की राशि रायपुर के जीईरोड स्थित आर्ट आई सेंटर को उपलब्ध कराई गई। यह प्रोस्थेटिक सेंटर है, जहां कृत्रिम अंग बनाए जाते हैं। यहां नूतन की दाई आंख में पत्थर की आंख लगाई गई है।

## मुख्यमंत्री के निर्देश पर किसानों को सुगमता से मिल रहा है खाद-बीज

**किसानों को अब तक 7.72 लाख टन खाद और 6.69 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर प्रदेश के किसानों को उनकी मांग के अनुरूप सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण किया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 7.72 लाख टन खाद और 6.69 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में अब तक 13.23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ सीजन में 48.63 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 01 जुलाई 2024 की स्थिति में प्रदेश में अब तक 153 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो इसी अवधि की दस वर्षों की औसत वर्षा 182.3 मिमी से 29.3 मिमी कम है। गत वर्ष इसी अवधि में 169.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1236 मिमी है।

अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ 2024 के लिए प्रदेश में 9.78 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 8.07 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 6.69 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 68 प्रतिशत है।

**छत्तीसगढ़ को मिली केंद्र से बड़ी सौगात**

## 18 सड़क परियोजनों को केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने किया स्वीकृत

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही केंद्र की योजनाओं का क्रियान्वन प्रदेश में मौजूदा सरकार के द्वारा किया जा रहा है। केंद्र सरकार से छत्तीसगढ़ को बड़ी सौगात मिली है। बता प्रदेश के विभिन्न 18 परियोजनों को केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। प्रदेश के पीउब्ल्यूडी मंत्री और डिप्टी सीएम अरुण साव ने प्रदेश की इन परियोजनाओं को मंजरू देने के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद दिया है। साथ ही प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की प्रगती की बात कही। पीएम मोदी के नेतृत्व में विगत दस सालो में सड़को का जाल पुरे देश में फैलाने का काम तेज़ी से किया जा रहा है। एक राज्य से दूसरे राज्य की कनेक्टिवटी को मज़बूत करने की पहल जारी है। डिप्टी सीएम अरुण साव ने आगे कहा की डबल इंजन की सरकार से छत्तीसगढ़ को लाभ मिल रहा है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने आकड़ो का उल्लेख करते हुए बताया की केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने मंजूरी दी है उनमें 253.31 चरू सड़क निर्माण के लिए 3289 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इनमें कस्तूरमेटा से महाराष्ट्र सीमा तक 31 द्वद्व सड़क निर्माण के लिए 178 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। वहीं रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग पर खरतोरा चौक से बलौदाबाजार तक फोरलेन सड़क निर्माण के 33 चरूके लिए 650 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसी तरह सीएम विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में गोविंदपुर डुमरी टू लेन 15 चरू सड़क के लिए 150 करोड़ रुपयों की मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही कुल 18 कामो के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने स्वीकृति दी है। आगे कहा की प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सड़को की कनेक्टिविटी को बढ़ाने और परिवाहन को सुगम बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

## श्रीमती चंपा देवी इंदिरा देवी जैन चेरिटेबल ट्रस्ट ने नारी शक्तियों का किया सम्मान

**समाज के विभिन्न क्षेत्रों में दिया उल्लेखनीय योगदान**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मातृ दिवस के अवसर पर छतीसगढ़ क्लब सिविल लाइन मुख्यमंत्री निवास के डर बार हाल में महिलाओं का सम्मान किया गया जिसमें श्रीमती श्वेता उपाध्याय साहित्य के क्षेत्र में श्रीमती मीनल तिवारी पत्रकारिता श्रीमती कामनी बावनकर शिक्षा श्रीमती प्रियंका मिश्रा पचोरी अनुसंधान श्रीमती शयामा साहू समाज सेवा श्रीमती अनुपमा तिवारी पर्यावरण, डॉ भारती शांडिल्य चिकित्सा डॉ गीता साहू चिकित्सा डॉ निलिमश शोनेद्र चिकित्सा सु श्री आरती सिंह कला एवं संस्कृति श्रीमती इंदु प्रभा साहू महिला सशक्तिकरण कु गीतांजलि पंकज खेल कु एम काव्या पशु सेवा रायपुर पुलिस संगीत ग्रुप को संगीत एवं कला के क्षेत्र में सम्मनित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति डुमरे राजवैद्य अकाशवाणी दुरदर्शन छतीसगढ़ी फ़िल्म कलाकार श्री सुदीप जैन समाज सेवी श्री पीयूष जैन श्रीमती नीता जैन सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्या श्रीमती हेमलता यादव श्रीमती सीमा वर्मा तुलसी श्रीवास उषा निशाद छतीसगढ़ डिफेंस अकादमी दीपक झा रूपेंद्र साहू आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ भूमिका तिवारी ने किया।

## बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए 46 करोड़ की लागत से 132 केव्ही का नया सब-स्टेशन ऊर्जीकृत

**लो-वोल्टेज से मिलेगी निजात, होगी निरंतर विद्युत आपूर्ति**

**कवर्धा के बैजलपुर में बना उपकेंद्र, 80 एमव्हीए होगी सब-स्टेशन की क्षमता**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी निरंतर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए प्रदेश में लगातार पारेषण क्षमता का विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में आज 132/33 केवी सब-स्टेशन बैजलपुर (सिल्हाटी)- कबीरधाम को सफलतापूर्वक उर्जीकृत किया गया। इस परियोजना की कुल लागत 46.13 करोड़ रूपए है।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने आज दोपहर 01.59 बजे नवनिर्मित 132/33 केवी सब-स्टेशन बैजलपुर (सिल्हाटी)- कबीरधाम के एक नग 40 एम वी ए ट्रांसफार्मर को उर्जीकृत किया। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री पी. दयानंद के निर्देशन में प्रदेश में पारेषण नेटवर्क को मजबूत बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में बैजलपुर में 132/33 केवी का सब-स्टेशन स्थापित किया गया है, जिसकी क्षमता 2×40 एमव्हीए होगी, इसमें से एक 40 एमव्हीए क्षमता का एक ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया गया है जबकि दूसरा 40 एमव्हीए के ट्रांसफार्मर को भी जल्द ही उर्जीकृत करने की तैयारी प्रगति पर है। इस उपकेंद्र की लागत करीब 20.45 करोड़ रूपए है।

इस उपकेंद्र में विद्युत सप्लाई 132 के वी गेंदपुर-बैजलपुर लाइन से होगी, जिसके लिए 32.5 किलोमीटर नई लाइन बिछाने पर 24 करोड़ रुपए एवं 220/132 केव्ही उपकेंद्र गेंदपुर में 132 केव्ही के दो फीडर-बे के निर्माण के लिए 1.68 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। उन्होंने बताया कि मानसून के सब-स्टेशन तैयार होने से क्षेत्र के हजारों किसानों को बेहतर बिजली मिल सकेगी। इस क्षेत्र में काफी संख्या में कृषि पंप हैं, साथ ही औद्योगिक इकाईयों और घरेलू उपभोक्ताओं को लगातार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री केएस मनोठिया, मुख्य अभियंता श्री डीके तुली, जी. आनंद राव, टीके मेश्राम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता चंद्रकला गिडवानी, अधीक्षण अभियंता श्री पीपी सिंह, सुनील भुआर्य, रंजीत घोष, कार्यपालन अभियंता श्री एसके चौहान, श्री लोहनारे, श्री वीरेन्द्र ठाकुर, सहायक अभियंता श्री आरके हरमुख सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

## रायपुर रेल मंडल में वाणिज्य एवं भंडार विभाग के कर्मचारियों के लिए मानसिक तनाव मुक्त एवं स्वस्थ जीवन हेतु कार्यशाला का आयोजन

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज दिनांक 3 जुलाई 2024 को वाणिज्य एवं भंडार विभाग कार्यालय के कर्मचारियों के लिए मानसिक तनाव एवं स्वस्थ जीवन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ प्राकृतिक चिकित्सा परिषद रायपुर के संचालक शिक्षा समिति के डॉक्टर विवेक भारतीय द्वारा व्याख्यान दिया गया जिसमें कार्यालय में कार्य करने वाले कर्मचारियो के लिए योग का व्यावहारिक ज्ञान, स्वास्थ्य प्राप्ति के अचूक उपाय, खानपान के व्यावहारिक तरीके, कार्यालय में उठने बैठने के गलत तरीकों को सही करने से शरीर को सही आकार में डाला जा सकता है धीरे-धीरे बढ़ाने वाली बीमारियों को रोका जा सकता है। पुराने अनुभवों को ध्यान में रखकर आज से अभी से नयी शुरुआत करें। एक समय पर एक ही काम पर फोकस करें। एक्शन ही रिलैक्सेशन को ध्यान में रखते हुए धैर्यपूर्वक काम करें। अपने कार्यों की शुरुआत करने से पहले का मन में कार्यों का आवाहन करें कि हमें आज अपने सभी कार्यों को बेहतरीन तरीके से करना है। दूसरों के लिए किए गए कार्यों से आत्म संतुष्टि मिलती है। धैर्य के साथ अपने कार्यों को करने से रेल के कार्यों में निपुणता आती है तथा निस्स्वार्थ भाव से कार्य करने से रेल यात्रियों को अधिक से अधिक फायदा पहुंचाया जा सकता है। साथ ही बताया कि कभी भी एंजायटी का शिकार ना हो जब भी कभी तनाव बड़े तो धैर्य और विश्वास के साथ एक-एक कर कामों पर फोकस करते हुए उनका निपटान करें।

कार्यालय में उठने -बैठने में अहम रोल कमर का होता है कमर को सीधे रखते हुए हिप को पीछे कर बैठे कंधे एवं गर्दन का मूवमेंट करें। प्रातः काल ऑक्सीजन को पर्याप्त मात्रा में ग्रहण करे अनुलोम-विलोम एवं शरीर का स्ट्रेचिंग करें। प्राकृतिक साधन संसाधनों का ज्यादा उपयोग कर तन एवं मन को स्वस्थ बनाया जा सकता है। संतुलित एवं स्वस्थ भोजन करें अपने भोजन में तरल पदार्थ, फलों, स्प्राउटर्स प्रोटीन फाइबर कार्बोहाइड्रेट का सेवन करें। साथ ही उन्होंने स्वधर्म, परधर्म, एवं सूक्ष्म धर्म के साथ साथ अर्थ, काम, मोक्ष की विवेचना की।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, अवधेश कुमार त्रिवेदी जी ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा कर अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को स्वस्थ जीवन के प्रति प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक, राकेश सिंह, सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार साव, सहायक सामग्री प्रबंधक एम. श्याम प्रसाद सहित संबंधित कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

## बेरोजगारों को व्यवसाय शुरू करने दिए जाएंगे ऋण, आवेदन आमंत्रित

**रायपुर ( विसं )।** जिले के बेरोजगारों को खुद का व्यवसाय शुरू करने जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या. रायपुर द्वारा आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिसमें अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग अंतर्गत बैंक प्रवर्तित अंत्योदय स्वरोजगार योजना एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत छोटे-छोटे व्यवसायियों को अंत्योदय स्वरोजगार योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय कर उनकी आर्थिक स्थिति सुधार किया जा सकेगा। आवेदक किसी भी प्रकार के व्यवसाय आवेदन कर सकते है। इसके लिए आवेदक की उम्र 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही आवेदक को आधार कार्ड, राशन कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ आवेदन करना होगा।

**दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...**

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट ''**दैनिक विश्व परिवार**'' से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

''**दैनिक विश्व परिवार**'' दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को ''**दैनिक विश्व परिवार**'' के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

**सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552**

## राजस्व मंत्री ने पेड़ लगाकर 'एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान' की शुरुआत

**स्कूलों, हॉस्पिटलों एवं आंगनबाड़ियों में अभियान चलाकर किया जाएगा वृहद वृक्षारोपण**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात में देशवासियों से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने के आह्वान पर आज राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बलौदाबाजार के संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में नीम पेड़ लगाकर जिले में अभियान की शुरुआत किया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन वनमंडल बलौदाबाजार के द्वारा किया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, कलेक्टर दीपक सोनी, डीएफओ मयंक अग्रवाल ने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम पर रोपण किया।

कार्यक्रम में श्री वर्मा ने स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने की अपील की। इसके साथ ही जिले के सभी स्कूलों, हॉस्पिटलों एवं आंगनबाड़ियों में अभियान चलाकर वृहद वृक्षारोपण करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा है कि एक पेड़ मां के नाम के आह्वान से बच्चों का पर्यावरण से जुड़ाव बढ़ेगा। इसमें पालकों और शिक्षकों को शामिल करने से निश्चित ही बड़े पैमाने पर पौधरोपण हो सकेगा। चूंकि सभी मां के नाम पर पेड़ लगाएंगे अतएव इसकी रख-रखाव भी बड़ी जिम्मेदारी से हो सकेगी। ऐसे स्कूल जहाँ अहाता है, उनके किनारे-किनारे छायादार पेड़ जैसे नीम, गुलमोहर, करंज, अशोक, अर्जुन आदि लगाया जा सकता है। विद्यार्थी, शिक्षक तथा पालक अपने द्वारा लगाए गए पौधे का वृक्ष बनते तक पालन पोषण एवं सुरक्षा करेंगे। पौधारोपण हेतु उचित ऊँचाई के पौधे वन विभाग से प्राप्त किया जा सकता है। पौधारोपण हेतु उचित मापदण्ड के गड्ढे कराने तथा आवश्यक मात्रा में मिट्टी एवं खाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने कहा गया है। पौधरोपण शाला प्रवेश उत्सव के दौरान किया जाएगा।

## पुलिस विभाग में सूबेदार/उनि-संवर्ग/प्लाटून कमाण्डर भर्ती-2021

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** उच्च न्यायालय बिलासपुर के याचिका क्रमांक-डब्ल्यूपीएस-4378/2023 में दिनांक 20-05-24 को पारित आदेश अनुसार मुख्य लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर भर्ती प्रक्रिया के अग्रिम चरण (शारीरिक दक्षता परीक्षा) हेतु 370 अतिरिक्त पुरूष उम्मीदवारों का चयन किये जाने के निर्देश के क्रम में छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल व्दारा सूबेदार/ उपनिरीक्षक/ उपनिरीक्षक (विशेष शाखा)/ प्लाटून कमाण्डर के पदों हेतु चयनित 370 अतिरिक्त अभ्यर्थियों की सूची पुलिस मुख्यालय के वेबसाईट www.cgpolice.gov.in पर दिनांक 11-06-2024 को प्रदर्शित की गयी है। शारीरिक दक्षता परीक्षा दिनांक 09-07-2024 को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, लक्ष्मीनारायण मंदिर के पीछे, परशुराम चौक, कोटा-रायपुर में प्रात: 7 से आयोजित की जायेगी। शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु चयनित अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा के प्रवेश-पत्र दिनांक 28-06-2024 से पुलिस मुख्यालय की वेबसाईट www.cgpolice.gov.in पर उपलब्ध कराये गये हैं, चयनित अभ्यर्थी उपरोक्त वेबसाईट से अपना प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय में परीक्षा स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354